बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता विकास अभियान

शिक्षक संदर्शिका

भाषा – हिंदी

2024-25

कक्षा 3

समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग

इस संदर्शिका में उपयोग होने वाले संकेत (Icon) का विवरण

संकेत	विवरण
	पृष्ठ संख्या
	दिवस/पाठ/गतिविधि का उद्देश्य
	शिक्षण योजना
	गतिविधि के चरण
	साप्ताहिक आकलन (मैंने सीख लिया)
	पुनरावृत्ति
	गतिविधि
	मौखिक भाषा विकास और लेखन
	डिकोडिंग
	पठन
	निर्धारित समय
	शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा
	तैयारी और सामग्री
	ध्यान देने योग्य बातें
	शिक्षक या बच्चे का कथन
	कैलेंडर (सप्ताह/दिवस)

आभार:

लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन (एल.एल.एफ.) छत्तीसगढ़

संदेश

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' भी बुनियादी शिक्षा के महत्व को रेखांकित करती है। बुनियादी शिक्षा और कौशलों के महत्व को दृष्टि में रखते हुए भारत सरकार द्वारा देशव्यापी 'निपुण भारत मिशन' की शुरुआत की गई है। छत्तीसगढ़ राज्य में इस परिपेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए 'बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता विकास अभियान' के अंतर्गत कार्य किया जा रहा है। इस कार्यक्रम से राज्य में प्राथमिक कक्षाओं के शिक्षण को एक नई दिशा मिल पा रही है। इसी क्रम में वर्ष 2024-25 की कार्ययोजना तैयार की गई है। इस कार्ययोजना द्वारा आगामी वर्षों में प्रयास होगा कि बच्चे अपनी आयु और कक्षा के अनुरूप निर्धारित दक्षताएँ प्राप्त कर पाएँ। इस कड़ी में कक्षा 1 से 3 तक के बच्चों के लिए 'अभ्यास पुस्तिकाएँ' और शिक्षकों के लिए 'शिक्षक संदर्शिकाएँ' विकसित की गई हैं। यह 'संदर्शिकाएँ' शिक्षकों को शिक्षण विधियों, गतिविधियों, आकलन के तरीकों, पुनरावृति अभ्यास की रणनीतियों आदि से परिचित कराएँगी।

इस संदर्शिका में 'निपुण भारत मिशन' के सभी उद्देश्यों को केंद्र में रखा गया है। अकादमिक सत्र 2024-25 की संदर्शिका में मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन और लेखन अधिगम लक्ष्यों के लिए प्रयुक्त विषयवस्तु को 'साप्ताहिक' और 'दैनिक शिक्षण योजना' में विभाजित किया गया है। यह शिक्षण योजना कक्षा में उपलब्ध सभी शिक्षण अधिगम सामग्रियों और लक्षित दक्षताओं के आधार पर बनाई गई है। संदर्शिका में शामिल सावधिक आकलन और पुनरावृत्ति भी शिक्षकों के लिए मददगार होगी।

शिक्षक संदर्शिकाओं को तैयार करने में 'लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन' द्वारा किए गए विशेष सहयोग के लिए मैं आभार व्यक्त करता हूँ।

मैं आशा करता हूँ, कि यह संदर्भ सामग्री वर्तमान परिस्थितियों में शिक्षकों के लिए मददगार होगी। जिसकी मदद से बच्चों के भाषा शिक्षण की प्रक्रिया सरल और सहज होगी। और हम बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता विकास अभियान को सफल बना पाएँगें।

धन्यवाद

प्रबंध संचालक
समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़

विषय सूची

1. संदर्शिका का उपयोग	1
2. बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता विकास अभियान छत्तीसगढ़	2
3. सीखने की परिकल्पना	3
4. सीखने-सिखाने के कुछ आधारभूत सिद्धांत	4
5. बच्चों के घर की भाषा को आधार बनाकर भाषा शिक्षण	5
5.1 मौखिक भाषा विकास पर ज़ोर	5
5.2 कक्षा में बच्चों की भाषा को महत्त्व देना	6
5.3 हिंदी भाषा सिखाने के लिए अच्छा माहौल बनाना	7
6. कक्षा-3 में भाषा शिक्षण की एप्रोच	8
7. कक्षा-3 के लिए लक्षित दक्षताएँ	12
8. कक्षा 3 में भाषा शिक्षण की रूपरेखा	13
9. कक्षा-3 में भाषा शिक्षण की वार्षिक योजना	14
9.1 कक्षा में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्रियों का निर्माण	15
10. साप्ताहिक शिक्षण योजना की रूपरेखा	17
10.1 साप्ताहिक शिक्षण योजना (सप्ताह 1 से 6 तक)	17
10.2 साप्ताहिक शिक्षण योजना (सप्ताह 7 से 26 तक)	17
11. साप्ताहिक व दिवसवार योजना	18
12. कक्षा-3 की गतिविधियों पर कैसे कार्य करें?	44
12.1 पाठ्यपुस्तक पर कार्य एवं मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन की गतिविधियाँ	45
12.2 अभ्यास पुस्तिका के पाठों पर पठन-लेखन कार्य	45
12.3 प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास	56
13. आकलन एवं पुनरावृत्ति	61
13.1 दैनिक गतिविधियों के दौरान अनौपचारिक आकलन/समीक्षा	61
13.2 साप्ताहिक योजना में आकलन	61
13.3 सावधिक आकलन प्रक्रिया	64
14. साप्ताहिक आकलन ट्रैकर	65
15. बच्चों के प्रवाहपूर्ण पठन के आकलन के परिणाम	71
16. प्रिंट रिच वातावरण	73
17. कक्षा प्रबंधन	74

1. संदर्शिका का उपयोग

शिक्षक संदर्शिका कक्षा-3 में संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति के अंतर्गत शिक्षण प्रक्रिया की विभिन्न गतिविधियों के बारे (क्या, क्यों और कैसे) में विस्तार से बताया गया है। कक्षा शिक्षण में कक्षा प्रबंधन, कक्षा का वातावरण इत्यादि की भी बहुत बड़ी भूमिका होती है। अतः इन बिन्दुओं को भी संदर्शिका में शामिल किया गया है। शिक्षक संदर्शिका का मुख्य उद्देश्य भाषा शिक्षकों के लिए कार्यक्रम के उद्देश्य, भाषा शिक्षण की एप्रोच और सिद्धांत एवं अकादमिक सत्र 2024-25 के लिए निर्धारित की गई दक्षताओं पर शिक्षण कार्य करने की रणनीति, शिक्षण गतिविधि और सामग्री के उपयोग को विस्तार से प्रस्तुत करना है।

संदर्शिका की विषयवस्तु को समझना

शिक्षक संदर्शिका को एक बार ठीक से पढ़ लें। संदर्शिका पढ़ते समय अपने लिए नोट ज़रूर बना लें। शिक्षण कार्यशाला के दौरान इस संदर्शिका का उपयोग किया जाएगा। संदर्शिका के प्रमुख भाग अग्रानुसार हैं-

सैद्धांतिक पहलू

संदर्शिका के इस भाग में भाषा शिक्षण की एप्रोच और सिद्धांतों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है।

पृष्ठ 2 से 7

अधिगम लक्ष्य और भाषा शिक्षण की रणनीति

इस वर्ष के लिए तय वार्षिक लक्ष्य, वार्षिक और साप्ताहिक योजना, सामग्री इत्यादि के बारे में बताया गया है। इनको ही आधार बनाकर आगे की दैनिक योजनाएँ तैयार की गई हैं।

पृष्ठ 8 से 17

साप्ताहिक/दैनिक योजना और संबंधित गतिविधियों पर कार्य

संदर्शिका के इस भाग को शिक्षण प्रक्रिया के दौरान उपयोग करें। इस अकादमिक सत्र में 26 सप्ताह के शिक्षण कार्य की योजना है, जिसमें मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन और लेखन के अधिगम लक्ष्यों के लिए प्रयुक्त विषयवस्तु को साप्ताहिक व दैनिक शिक्षण योजना में विभाजित किया गया है।

- दिन की शुरुआत में पहले उस दिन की दिवसवार योजना देखें।
- योजना के अनुसार प्रत्येक गतिविधि के लिए सामग्री और अन्य तैयारी कर लें।
- गतिविधि के लिए बताए गए चरणों और शिक्षण योजना का अनुसरण करें।
- गतिविधि के दौरान और बाद में अनौपचारिक आकलन या समीक्षा अवश्य करें।
- गतिविधि के अंत में ट्रैकर वाले कॉलम में अपना हस्ताक्षर और दिनाँक दर्ज करें।

पृष्ठ 18 से 60

आकलन और पुनरावृत्ति

इस भाग में बच्चों के सीखने के स्तर के आकलन की रणनीति बताई गई है। आकलन के बाद बच्चों के स्तर में सुधार के लिए पुनरावृत्ति कार्य और आकलन ट्रेकर भी इसी खण्ड में दिए गए हैं।

पृष्ठ 61 से 72

प्रिंट रिच और कक्षा प्रबंधन

यहाँ शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिए बेहतर कक्षा प्रबंधन और प्रिंट रिच वातावरण निर्माण के बारे में बताया गया है।

पृष्ठ 71 से 74

- कक्षा प्रक्रिया के दौरान इस संदर्शिका को अपने पास रखें। कक्षा में जाने से पूर्व योजना और गतिविधियों के तरीकों को एक बार पढ़ लें।
- ब्लॉक या संकुल स्तर पर होने वाली बैठकों में संदर्शिका अपने साथ ज़रूर लेकर जाएँ, ताकि अकादमिक चर्चा और संदर्भ के रूप में आप इसका उपयोग कर सकें।

2. बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता विकास अभियान छत्तीसगढ़

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान कौशलों पर समय रहते निपुणता हासिल करना बहुत महत्त्वपूर्ण है, परंतु हमारे देश के अधिकतर बच्चे इन बुनियादी कौशलों को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। विभिन्न शैक्षिक सर्वे एवं शोध जैसे कि एनसीईआरटी द्वारा किया गया राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण व प्रथम संस्था द्वारा किया गया ASER सर्वेक्षण भी इस बात को पुख्ता करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 द्वारा साझा किए गए आँकड़ों के अनुसार, वर्तमान में प्राथमिक विद्यालय में 5 करोड़ से भी अधिक संख्या में शिक्षार्थियों ने बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त नहीं किया है। यह स्थिति निश्चित रूप से बहुत गंभीर है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, बुनियादी कौशलों को महत्त्व देते हुए कहती है कि :

> ''सभी बच्चों के लिए बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान हासिल करने के लिए तुरंत प्रभाव से एक राष्ट्रीय मिशन बनना चाहिए, जिसे कई मोर्चों पर किए जाने वाले तात्कालिक उपायों और स्पष्ट लक्ष्यों के साथ अल्पावधि में प्राप्त किया जाए। शिक्षा प्रणाली की सर्वोच्च प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि 2025 तक प्राथमिक विद्यालय में सार्वभौमिक बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान हासिल कर लिया जाए''।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 द्वारा निर्देशित 'बुनियादी साक्षरता व संख्या ज्ञान मिशन' (FLN मिशन) एक राष्ट्रीय मिशन है। इसे जुलाई 2021 में, 'निपुण भारत' नाम से लाया गया है। इसका केंद्रीय उद्देश्य ऐसे वातावरण का निर्माण करना है, जिसके माध्यम से 2026-27 तक कक्षा-3 के अंत में सभी बच्चे पढ़ने-लिखने व संख्या ज्ञान की दक्षताओं को हासिल कर पाएँ। यह मिशन 3 वर्ष से लेकर 9 वर्ष तक के बच्चों पर केंद्रित है। एफ.एल.एन. मिशन, छत्तीसगढ़ इन लक्ष्यों को पाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम कर रहा है।

'बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता विकास अभियान' छत्तीसगढ़, राज्य की पाठ्यचर्या के अधिगम उद्देश्यों के अनुरूप ही विकसित किया गया है। इस अभियान की प्रमुख विशेषताओं को नीचे दिए गए चित्रात्मक प्रस्तुति द्वारा दर्शाया गया है-

अभियान की प्रमुख विशेषताएँ

- बच्चों की घर की भाषा को यथोचित स्थान देना और उसे एक संसाधन के रूप में प्रयोग करना
- भाषा शिक्षण प्रक्रिया में संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति का उपयोग
- व्यवस्थित शिक्षण-शास्त्र एप्रोच (Structured Pedagogy Approach) को आधार बनाकर कक्षा-प्रक्रिया
- शिक्षक प्रशिक्षण, नियमित समीक्षा और नियोजन
- स्कूल स्तर पर अकादमिक सहयोग
- सीानीय संदर्भ सदस्यों (SRGs, DRGs, CACs & BRGs) की महत्त्वपूर्ण भूमिका

3. सीखने की परिकल्पना

3.1 बच्चे कैसे सीखते हैं?

बच्चों में सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। जन्मजात क्षमता के साथ-साथ सीखने के लिए अनुकूल एवं उत्साहजनक परिवेश का होना भी ज़रूरी है। ये दोनों घटक: 'जन्मजात क्षमता' एवं 'सामाजिक परिवेश' साथ मिलकर बच्चों के अनुभव और समझ को गढ़ते हैं।

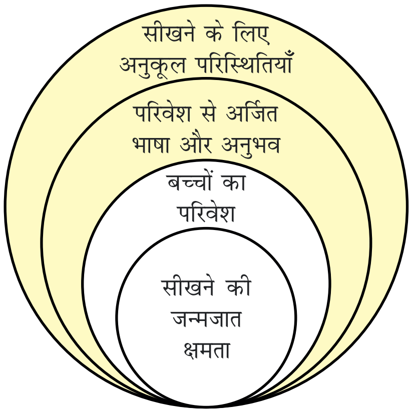

बच्चे अपनी इस समझ और अनुभव को स्वाभाविक रूप से अपने हाव-भाव के साथ घर की भाषा में सहजता से अभिव्यक्त करते हैं। इसलिए, यह कथन कि 'बच्चे जब पहली बार विद्यालय आते हैं तो वे खाली तख्ती की तरह नहीं होते हैं', बिलकुल सही है। बच्चे जब पहली बार विद्यालय आते हैं तो अपने साथ समृद्ध अनुभव लेकर आते हैं, जिसे घर की भाषा में मौखिक रूप से अभिव्यक्त कर सकते हैं।

बच्चों के सीखने में विद्यालयों की भूमिका

ऐसी स्थिति में यदि हम विद्यालयों में बच्चों के परिवेश, उनके अभी तक के अनुभव, समझ और उनके घर की भाषा के लिए जगह बनाते हैं और उनका प्रोत्साहन करते हैं तो उनके 'सीखने के अनुभव' और 'गति' को बल मिलता है। इसके साथ ही, इस तरह के अनुकूल वातावरण बच्चों में आत्मविश्वास और सीखने के प्रति रुचि एवं उत्साह को विकसित करते हैं।

3.2 सीखने की प्रक्रिया

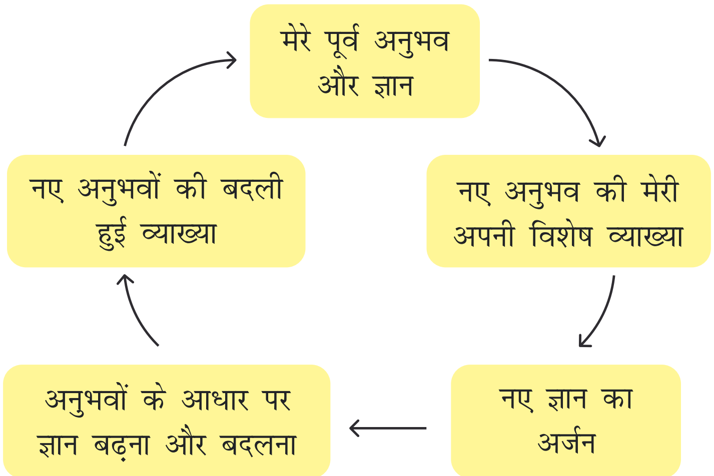

सीखना एक सतत प्रक्रिया है- यह बच्चों के लिए उतनी ही स्वाभाविक एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जितनी की बड़ों के लिए। इस प्रक्रिया में सीखने वाले (बच्चे) सक्रिय तौर पर नए अनुभवों को ग्रहण करते एवं गढ़ते हैं। वे नए अनुभवों को अपने मस्तिष्क में व्यवस्थित करके नए विचारों को बनाते हैं। इस तरह, नए अनुभव, उनके पहले के (संबंधित) अनुभवों से जुड़ते हैं और उनकी समझ को बढ़ाते एवं समृद्ध करते हैं या इन नए अनुभवों के कारण पहले के अनुभवों की समझ में बदलाव या संशोधन होता है।

हम शिक्षकों को सीखने की इस प्रक्रिया को याद रखना चाहिए, ताकि हम हमेशा सजग रहें कि हम अपने सिखाने के तरीकों, बच्चों को अभ्यास के लिए दिए जाने वाले मौकों, शिक्षण अधिगम सामग्री, बच्चों को दिए जा रहे प्रोत्साहन एवं सीखने में आ रही कठिनाइयों की पहचान कर सकें। साथ ही, लक्षित दक्षताओं को हासिल करने में बच्चों की मदद कर पाएँ। इससे बच्चे अपने पुराने अनुभव और समझ को समृद्ध कर पाएँगे या उनमें संशोधन कर, बिलकुल नए अनुभव और समझ की रचना कर पाएँगे। यह उनके आगे के सीखने की यात्रा में उपयोगी सिद्ध होगा।

4. सीखने-सिखाने के कुछ आधारभूत सिद्धांत

सीखने-सिखाने के कुछ आधारभूत सिद्धांत हैं, जो कक्षा-कक्ष में बच्चों के सीखने में प्रभावी रहे हैं। शिक्षक कक्षा में इन सिद्धांतों को अपनाकर कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया को और बेहतर बना सकते हैं।

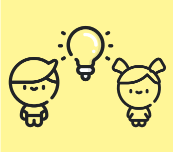

1. **सभी बच्चे सीख सकते हैं :** सभी बच्चों के मस्तिष्क की बनावट एक जैसी होती है, इस कारण सभी बच्चे सीखने के लिए समान रूप से तैयार होते हैं। यह ज़रूर है कि कुछ बच्चों को दूसरे बच्चों की तुलना में थोड़े अधिक सहयोग एवं अभ्यास की आवश्यकता हो सकती है। यह प्राय: इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें सीखने के कितने मौके मिले या नियमित रूप से मिलते हैं और इस दौरान कार्य में उनकी सक्रिय रूप से सहभागिता कितनी रही।

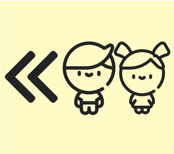

2. **कक्षा में बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभव का उपयोग करना :** अगर हम कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया को बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों से जोड़ दें तो जहाँ एक तरफ बच्चों की समझ को मान्यता एवं जगह मिलती है, वहीं दूसरी तरफ, कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया रोचक और प्रभावी हो जाती है। बच्चों के पूर्वज्ञान और अनुभवों को कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में जोड़ने से उनकी अभिव्यक्ति के अवसर बढ़ जाते हैं, जो सीखने के लिए बहुत ही आवश्यक हैं।

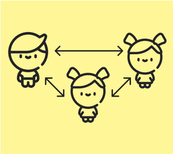

3. **बच्चों को सहपाठियों के साथ सीखने के अवसर देना :** कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया केवल शिक्षक केंद्रित नहीं होनी चाहिए। बच्चे अपने हम-उम्र साथियों के साथ ज़्यादा सहज होते हैं और उनके साथ जुड़कर आसानी से नई बातें सीख सकते हैं। ऐसे में अगर योजनाबद्ध तरीके से बच्चों को उनके सहपाठियों के साथ सीखने के अवसर दिए जाएँ तो इसके परिणाम बेहतर होंगे।

4. **सीखने में बच्चों की मदद करना :** शिक्षक शिक्षण प्रक्रिया में ज़्यादातर समय एक मार्गदर्शक की भूमिका में रहें तो बच्चों को खुद से कार्य या अभ्यास करने के अवसर मिलते हैं। इस मार्गदर्शन के दौरान शिक्षकों को बच्चों के कार्य का अवलोकन करना चाहिए और बच्चों को समस्या आने पर ज़रूरत के हिसाब से शिक्षक को उनकी मदद करनी चाहिए।

5. **कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाना :** यह ज़रूरी है कि कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया सौहार्दपूर्ण वातावरण में हो। इसके लिए शिक्षक कक्षा की शुरुआत में गीत/कविता/खेल आदि करवा सकते हैं। शिक्षक और बच्चों के बीच, बच्चों और बच्चों के बीच संबंध जितने सहज होंगे, सीखने की प्रक्रिया उतनी ही रोचक और बेहतर परिणाम देने वाली होगी।

6. **सीखने की प्रक्रिया में सभी बच्चों का जुड़ाव सुनिश्चित करना :** एक शिक्षक के तौर पर हमारी शिक्षण प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए, जिससे सभी बच्चे सीख सकें। इसके लिए बच्चों के अनुभव और अधिगम स्तर को देखते हुए उन्हें समूहों में बाँटा जा सकता है और शिक्षण की अलग-अलग रणनीतियाँ बनाई जा सकती हैं।

7. **सोचने की प्रक्रिया के मौके और प्रोत्साहन देना :** कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया के दौरान हमारी शिक्षण रणनीति कुछ ऐसी होनी चाहिए, जिसमें बच्चों को थोड़ा रुककर सोचने के मौके मिलें। साथ ही, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें सोचने और कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में सहभागिता के दौरान नियमित रूप से प्रोत्साहन मिले।

8. **बच्चों के घर की भाषा का उपयोग एवं सघन बातचीत के अवसर देना :** प्रारंभिक कक्षाओं के बच्चे सबसे ज़्यादा अपने घर की भाषा में सहज महसूस करते हैं। इसके साथ ही इस भाषा में वे मौखिक रूप से बहुत सारा चिंतन संबंधी कार्य करते हैं। इसलिए उनके घर की भाषा एवं चिंतन कौशल का उपयोग कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया में एक संसाधन के रूप में करना चाहिए। बच्चों को बातचीत के जितने अधिक अवसर मिलेंगे, वे भाषायी रूप से उतने ही बेहतर बनेंगे। साथ ही, उनमें अभिव्यक्ति-क्षमता और कल्पना-शक्ति का भी विकास होगा।

9. **सतत आकलन :** कक्षा-कक्षीय प्रक्रिया को बेहतर करने के लिए सतत आकलन बहुत आवश्यक है। सतत आकलन के द्वारा शिक्षक यह पता लगा सकते हैं कि कौन-सा बच्चा किस स्तर पर है और उसके लिए कौन-सी शिक्षण रणनीति ज़्यादा कारगर होगी।

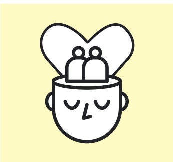

10. **सामाजिक और भावनात्मक विकास पर काम :** अनेक शोध इस बात की पुष्टि करते हैं कि अगर बच्चे सामाजिक और भावनात्मक रूप से मज़बूत हैं तो उनका संज्ञानात्मक विकास भी अच्छा होता है। ऐसे में, हमें बच्चों के सामाजिक और भावनात्मक विकास के अलग-अलग पहलुओं पर भी काम करते रहना होगा।

5. बच्चों के घर की भाषा को आधार बनाकर भाषा शिक्षण

प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों की बेहतर ढंग से भाषा एवं साक्षरता शिक्षण की शुरुआत के लिए निम्नलिखित घटकों की समझ महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

भाषा शिक्षण के बुनियादी घटक

- मौखिक भाषा विकास पर ज़ोर
- कक्षा में बच्चों की भाषा का प्रयोग करना
- हिंदी भाषा सिखाने के लिए अच्छा माहौल बनाना
- उभरती साक्षरता पर ध्यान देना
- भाषा शिक्षण की संतुलित पद्धति अपनाना
- व्यवस्थित रूप से डिकोडिंग सिखाना

5.1 मौखिक भाषा विकास पर ज़ोर

मौखिक भाषा के विकास का अर्थ वास्तविक तौर पर केवल बोलने और सुनने की क्षमता से कहीं ज़्यादा होता है। पढ़ना और लिखना, एक तरह से मौखिक भाषा के पहलुओं तथा सुनकर समझने और बोलकर अपनी बात कह पाने का ही विस्तार है। इस प्रकार, मौखिक भाषा का विकास ही पठन और लेखन का आधार बनता है। जब बच्चे कक्षा में कहानियाँ सुनते हैं और बातचीत करते हैं तो उनका परिचय नए शब्दों से होता है। साथ ही उनका सामान्य-ज्ञान भी बढ़ता है। यह उनके आगे होने वाले पठन और लेखन के लिए पृष्ठभूमि का काम करता है। जिन बच्चों के घर की भाषा स्कूल की भाषा से अलग होती है, उनके साथ शुरुआत में हर रोज़ मौखिक भाषा विकास की गतिविधियाँ की जाएँ, जैसे- चित्रों पर चर्चा, अनुभवों पर चर्चा, कहानी, कविता और गीत को हाव-भाव से सुनाना और चर्चा करना आदि। इससे बच्चों को भाषा विकास में बहुत मदद मिलती है। वे बच्चे धीरे-धीरे स्कूल की औपचारिक भाषा समझने लगते हैं।

आइए, ज़रा नज़र डालें कि मौखिक भाषा का विकास क्यों आवश्यक है?

मौखिक भाषा के विकास के लाभ

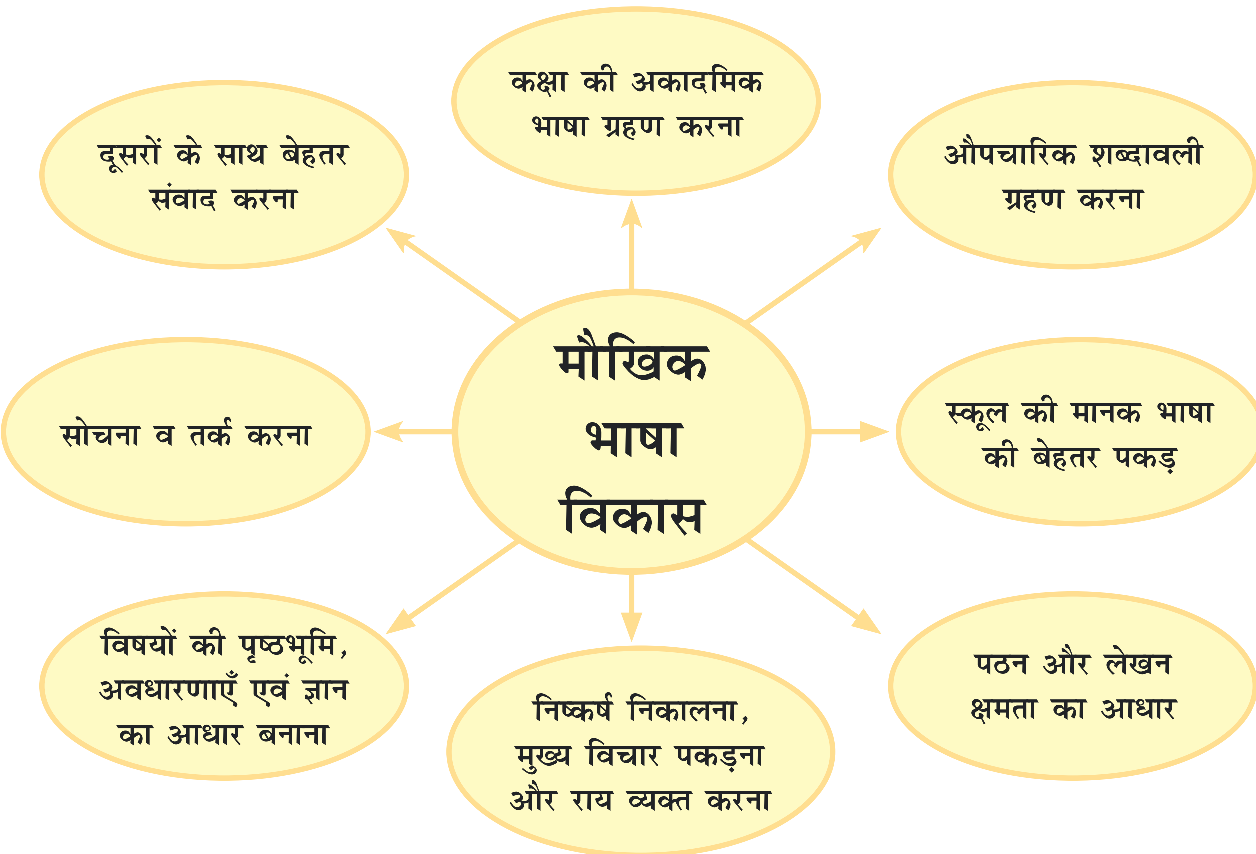

ऊपर दिए गए सभी कारणों की वजह से प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों को सुनकर समझने और बोलने के पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए। यही नहीं, यह भी बहुत ज़रूरी है कि बच्चों को शुरुआत में उसी भाषा में बात करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए, जिसे वे स्कूल में आने से पहले जानते हों।

मौखिक भाषा का विकास ही वह नींव है, जिस पर पढ़ने और लिखने की इमारत बनती है। अगर प्रारंभिक कक्षाओं में मौखिक भाषा का मज़बूत विकास हो जाए तो यह सीखने की अन्य प्रक्रियाओं के लिए एक ठोस 'नींव' बनती है।

5.2 कक्षा में बच्चों की भाषा को महत्त्व देना

बच्चों को उनकी भाषा का प्रयोग करने और सुनने-समझने के पूरे मौके दिए जाएँगे क्योंकि:

- भाषा सोचने, समझने और सीखने का एक साधन है। बच्चे केवल उस भाषा के माध्यम से ही बेहतर सोच और समझ सकते हैं, जिसे वे अच्छी तरह जानते हैं।
- अगर कक्षा में बच्चों की मातृभाषा का भी प्रयोग किया जाए तो उन्हें इस भाषा के सहारे स्कूली भाषा तक आने के लिए समय और मदद दोनों मिलते हैं। इस तरह, वे अपनी भाषा में प्राप्त बहुत से कौशलों और जानकारियों का प्रयोग स्कूली भाषा में कर सकते हैं। जैसे, संदर्भ से अनुमान लगाकर किसी शब्द का अर्थ निकालना।
- बच्चों को ज्ञात से अज्ञात, परिचित से अपरिचित की ओर बढ़ना चाहिए (एन.सी.एफ. 2005, NEP 2020)। जिस भाषा में बच्चे

सबसे अच्छी तरह समझते हैं (मातृभाषा), वे उसका उपयोग अपने पूर्व ज्ञान और अनुभवों द्वारा नए ज्ञान का सृजन करने में करते हैं। इससे कक्षा भी अधिक बाल केंद्रित बन जाती है।

- सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में बच्चों की भाषा को शामिल करने से उनकी पहचान, संस्कृति, भाषा और अब तक अर्जित किए गए ज्ञान को सम्मान मिलता है। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वह स्कूल समुदाय के निकट आता है।
- बच्चों की भाषा को कक्षा में स्थान देने से स्कूल की भाषा (हिंदी) के विकास को नुकसान नहीं पहुँचता। हमारे देश में किए गए कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि जिन बच्चों की पढ़ाई उनकी अपनी भाषा में हुई है, उनका भाषा और गणित में प्रदर्शन ऐसे बच्चों के मुकाबले बेहतर रहता है, जो मातृभाषा के बजाय किसी अन्य भाषा के माध्यम से पढ़कर आए हैं।
- नीचे दी गई चित्रात्मक प्रस्तुति द्वारा यह दर्शाया गया है कि घर की भाषा को स्कूल में क्यों सम्मिलित किया जाना चाहिए।

घर की भाषा क्यों?

- परिचित भाषा में सोचना, समझना और सीखना आसान
- ज्ञात से अज्ञात की ओर बढ़ने से ज्ञान का सृजन
- बच्चों की संस्कृति को सम्मान और उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा देना
- बच्चों की बेहतर भागीदारी और अभिव्यक्ति

बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता विकास अभियान में बच्चों की भाषा के प्रयोग को पूरा प्रोत्साहन दिया जाएगा। मातृभाषा का प्रयोग मुख्य रूप से मौखिक भाषा विकास, सोचने-समझने और हिंदी सीखने में मदद के लिए किया जाएगा। मातृभाषा और हिंदी चरणबद्ध और सोची-समझी योजना के अनुसार कक्षा में प्रयोग में लाई जाएगी, जिसके बारे में आगे हम विस्तार से जानेंगे।

5.3 हिंदी भाषा सिखाने के लिए अच्छा माहौल बनाना

- यदि दूसरी भाषा सिखाने के लिए भी बच्चों को घर की भाषा सीखने जैसा माहौल दिया जाए तो वे अधिक आसानी से सीख सकते हैं। अतः यह समझना ज़रूरी है कि बच्चे घर में अपनी भाषा इतनी आसानी से कैसे सीख लेते हैं?
- इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए, इस कार्यक्रम में बच्चों को हिंदी सिखाने के लिए कुछ विशेष कदम उठाए जाएँगे, जो इस प्रकार हैं-

हिंदी बोलने और सुनने के अधिक से अधिक मौके दिए जाएँ।	हिंदी का प्रयोग बच्चों के संदर्भ में जुड़ा हुआ और सार्थक हो।	हिंदी भाषा के प्रयोग के अवसर रुचिकर और मज़ेदार हों।	कक्षा में चिंतामुक्त और खुशनुमा माहौल हो।
हिंदी सिखाने के लिए अनुकूल माहौल			
पढ़ने-लिखने और मौखिक गतिविधियों में सरल हिंदी काम में लायी जाए, जो आसानी से बच्चों को समझ में आ जाए।	हिंदी भाषा चित्रों/ भाव-भंगिमा/ स्पष्ट उच्चारण/ सरल वाक्य संरचना आदि तरीकों द्वारा बच्चों के लिए समझने योग्य बनाई जाए।	हिंदी के प्रयोग का या परीक्षा का अनावश्यक दबाव न डाला जाए।	आरंभ में हिंदी में की गई गलतियों को सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा मानें और बहुत सुधार करने से बचें।

6. कक्षा-3 में भाषा शिक्षण की एप्रोच

6.1 संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति

इस कार्यक्रम में संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति को काम में लिया गया है। पढ़ने की वास्तविक प्रक्रिया को यदि समझने का प्रयास करें तो हम पाएँगे कि 'शब्द-पहचान' और 'अर्थ निर्माण' की क्रिया साथ-साथ हो रही होती है। कुशल पठन न तो शब्दों को पहचाने बिना और न ही अर्थ समझे बिना किया जा सकता है। संतुलित भाषा पद्धति में बच्चों के साथ शब्द पहचान (डिकोडिंग) और अर्थ निर्माण पर साथ-साथ कार्य किया जाता है।

6.1.1 शब्द पहचान/डिकोडिंग

शब्द पहचान ध्वनि/वर्ण के संबंध को समझते हुए शब्द को पढ़ पाने की क्षमता है। डिकोडिंग सिखाने की प्रक्रिया को अंश आधारित भाषा शिक्षण कहा जाता है।

6.1.2 अर्थ निर्माण

अर्थ निर्माण का आशय भाषा के विभिन्न पहलुओं की समझ से है। इसके तहत समृद्ध शब्द-भंडार, सांसारिक समझ, वाक्य-विन्यास की समझ जैसे कौशल आते हैं। सांसारिक समझ से तात्पर्य यह है कि स्कूल बोलने से बच्चे को स्कूल की पूरी तस्वीर और अनुभव नज़र आए। अर्थ निर्माण के कौशल के तहत कई चीज़ें आती हैं, जैसे- अपने पूर्व ज्ञान का इस्तेमाल करना अथवा पाठ को अपने अनुभवों से जोड़ पाना, अनुमान लगाना, पाठ के अलग-अलग हिस्सों को आपस में जोड़ पाना, निष्कर्ष निकालना इत्यादि। समग्र भाषा शिक्षण में इन पहलुओं पर अत्यधिक ज़ोर दिया जाता है।

भाषा शिक्षण में दोनों तरह के कौशलों के कार्य में संतुलन होना चाहिए और बच्चों को इन दोनों प्रक्रियाओं को साथ-साथ विकसित करने के मौके मिलने चाहिए।

6.2 प्रवाहपूर्ण पठन और पढ़कर समझना

कार्यशालाओं के दौरान हमने चर्चा की थी कि किसी पाठ को पढ़कर समझने के लिए भाषाई समझ और शब्द-पहचान दोनों तरह के कौशल चाहिए। इसलिए कक्षा में भाषाई कौशल और शब्द-पहचान दोनों तरह के कार्यों में संतुलन हो।

शब्द पहचान (डिकोडिंग) × भाषा के विभिन्न पहलुओं की समझ (अर्थ निर्माण) → समझ के साथ पढ़ना

कक्षा-3 में भाषा शिक्षण का लक्ष्य है कि बच्चे किसी पाठ को पढ़कर समझ लें और अपनी बात, अनुभव, विचार इत्यादि को 2-4 वाक्यों में लिख लें। प्रथम चरण के बाद ज़्यादातर बच्चे शब्द और छोटे-छोटे पाठों को पढ़ पा रहे हैं। मगर किसी पाठ को पढ़कर समझने के लिए इतना काफी नहीं है। कक्षा-3 में पढ़कर समझने के कौशल को मज़बूत करने पर हमारा ज़ोर है। इसके लिए निम्नलिखित पहलुओं पर कार्य करने की ज़रूरत है।

प्रवाहपूर्ण पठन

प्रवाहपूर्ण डिकोडिंग के अभ्यास के लिए विशेष पाठ विकसित किए गए हैं, जिन्हें जटिलता के क्रम में रखा गया है। शिक्षक प्रतिदिन 3–4 बच्चों की प्रवाहपूर्ण डिकोडिंग की क्षमता का आकलन करेंगे, जिससे वे बच्चे अपनी प्रगति को समझ पाएँ और पता कर पाएँ कि किन बच्चों के साथ और ज़्यादा काम करने की आवश्यकता है। कक्षा–3 के बच्चों की डिकोडिंग की अपेक्षित गति 30–35 शब्द प्रति मिनट लक्षित है। सप्ताह भर में सभी बच्चों का प्रवाहपूर्ण आकलन सुनिश्चित किया जाना है।

शिक्षक प्रतिदिन 3–4 बच्चों की प्रवाहपूर्ण पठन क्षमता का आकलन करेंगे, जिससे कि वे बच्चों की प्रगति को समझ पाएँ और पता कर पाएँ कि किन बच्चों के साथ और ज़्यादा काम करने की आवश्यकता है। कक्षा–3 के बच्चे की प्रवाहपूर्ण पठन की अपेक्षित गति, जो सामान्यत: 30–35 शब्द प्रति मिनट हो सकती है, के लिए शिक्षक की ओर से नियमित आकलन और मदद दी जानी चाहिए। सप्ताह भर के समय में सभी बच्चों का, शिक्षक के समक्ष प्रवाहपूर्ण पठन का आकलन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

← (प्रवाहपूर्ण पठन के लिए डिकोडिंग अभ्यास का कक्षा 1 से 3 तक का सफर) →

वर्ण/अक्षर पहचानने में सटीकता और गति के लिए अभ्यास → जोड़कर शब्द बनाने और पढ़ने में सटीकता और गति के लिए अभ्यास → डिकोडेबल पाठ के द्वारा अभ्यास → संदर्भ आधारित छोटे-छोटे सार्थक पाठ द्वारा अभ्यास

‘प्रवाहपूर्ण पठन’ और ‘समझते हुए पढ़ना’

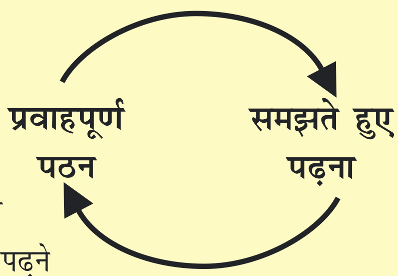

हम पहले भी कई बार ये चर्चा कर चुके हैं कि जब पाठक किसी पाठ को सहज और स्वभाविक तरीके से पढ़ता है, तो उसका ध्यान पाठ से अर्थ निकालने पर केन्द्रित रहता है। सहज और स्वभाविक तरीके से पढ़ने का मतलब पाठ को सटीकता, गति और हाव-भाव के साथ पढ़ पाना है। अगर कोई पाठक शब्दों को डिकोड करने में जूझ रहा होता है तो वह शब्द पढ़ने पर सचेत रूप से ज़्यादा ध्यान देता है। इसके कारण वह पाठ को समझने पर अपना ध्यान नहीं लगा पाता। ऐसे में पाठक को बार-बार अपना ध्यान कभी शब्द पहचानने पर और कभी अर्थ-निर्माण के बीच अदलते-बदलते रहना पड़ता है। इसकी वजह से दोनों में से कोई भी प्रक्रिया अच्छी तरह पूरी नहीं हो पाती। इससे ऐसी स्थिति बनती है, जिसमें पाठक पढ़े हुए को समझ नहीं पाते हैं।

प्रवाहपूर्ण पठन के चरण और आकलन की रणनीति से संबंधित विस्तृत विवरण के लिए संदर्शिका के पृष्ठ संख्या 56–57 को देखें।

पढ़कर समझना

पठन के साथ ही समझते हुए पढ़ने के लिए आवश्यक है कि शिक्षक प्रत्यक्ष रूप से पढ़कर समझने से जुड़ी रणनीतियों पर कार्य करें। यदि हम वास्तव में चाहते हैं कि सभी बच्चे समझते हुए पढ़ना सीखें तो प्रारंभिक कक्षाओं से ही पाठ को पढ़ाते समय उस पर ढेर सारी चर्चा की जानी चाहिए और समझते हुए पढ़ने से संबंधित उचित रणनीतियाँ सिखाई जानी चाहिए।

समझते हुए पढ़ने की रणनीतियाँ

कक्षा–3 के अंत तक बच्चा छोटे–छोटे पाठ को समझते हुए पढ़कर अर्थ समझ सके, तार्किक कौशलों का उपयोग कर सके, पाठ के बारे में अपनी राय निर्मित कर, 2 या अधिक वाक्यों के आधार पर निष्कर्ष निकालने के साथ सामान्य मुहावरों व विभिन्न प्रकार की वाक्य संरचनाओं से अर्थ निर्माण कर सके, कहानी को परिस्थिति, पात्रों, घटनाओं के सही क्रम व सही अंत के साथ पुनः सुनाने में सक्षम हो सके। इन सभी प्रकार के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए पूरे वर्ष शिक्षकों को अपनी कक्षा में समझते हुए पढ़ने की विभिन्न रणनीतियों को स्थान देने की आवश्यकता है–

- अनुमान लगाना
- बच्चों के अनुभव और पूर्व ज्ञान को सक्रिय करना
- अलग प्रकार के प्रश्न पूछना
- चित्र संयोजक की मदद से चर्चा करना
- सार–संकलन/पुनः सुनाना

कक्षा–3 में बच्चों के डिकोडिंग का आधारभूत कौशल अच्छी तरह से विकसित हो, इसके लिए शिक्षक को पूरा ध्यान और समय देना चाहिए। यही आगे चलकर प्रवाहपूर्ण पठन का आधार का काम करेगा।

अनुमान लगाना

अनुमान लगाने का अर्थ है पाठ पढ़ते हुए अपने मौजूदा ज्ञान और अनुभव के आधार पर यह सोचते जाना कि पाठ में आगे क्या होगा। अच्छे पाठक हमेशा पढ़ने से पहले और पढ़ने के दौरान अनुमान लगाते चलते हैं। पढ़ने से पहले अगर बच्चे अनुमान लगाने लगें तो उन्हें अपनी सोच केंद्रित करने में मदद मिलती है।

अनुमान पर कार्य कैसे करें?

- **पाठ पढ़ने से पहले:** पाठ शुरू करने से पहले बच्चों का ध्यान पाठ के शीर्षक, चित्र या मोटे फॉन्ट में लिखे हुए शब्दों पर आकर्षित कर सकते हैं और बच्चों से पूछ सकते हैं कि इनके आधार पर वे पाठ के बारे में अनुमान लगाएँ।
- **पढ़ने के दौरान:** कहानी पढ़ने के दौरान बीच में रुककर बच्चों से ज़रूर पूछें– 'तुम्हें क्या लगता है, आगे क्या होगा?' समय–समय पर कहानी बढ़ने के साथ बच्चों की कहानी से अपेक्षाएँ और कल्पनाएँ बदलती रहेंगी और इस तरह बच्चों के अनुमान भी बदल जाएँगे। बच्चों को अपने अनुमान की जाँच करने और उसे बदलने का मौका भी दे सकते हैं।
- **पढ़ने के बाद:** बच्चों से पूछें कि सबने क्या सोचा था या क्या अनुमान लगाया था कि कहानी में क्या होगा और वास्तव में क्या हुआ? बच्चों के अनुमान कितने नज़दीक थे?

अलग प्रकार के प्रश्न पूछना

समझ बढ़ाने के लिए, अच्छे प्रश्न पूछना सबसे शक्तिशाली और कारगर तरीका हो सकता है। शिक्षक जितने ज़्यादा उच्चस्तरीय सवाल पूछते हैं, उन पर बच्चों को सोचने का मौका और समय देते हैं, उतना ही बच्चों की सोच, तर्क करने के कौशल और समझने की क्षमता में सुधार आता है। कुछ प्रश्नों के उदाहरण नीचे दिए गए हैं:

1. पूर्व ज्ञान से जुड़े प्रश्न : ये प्रश्न बच्चों की कहानी से जुड़े पूर्व ज्ञान को बढ़ने या मौजूदा पूर्व ज्ञान को जागृत करने में सहायक होते हैं। जैसे, रेगिस्तान का क्या मतलब है? क्या आप में से कोई राजस्थान गया है?

2. अनुमान लगाने वाले प्रश्न : ये प्रश्न बच्चों को अलग-अलग संकेतों का उपयोग करते हुए अनुमान लगाने के लिए प्रेरित करते हैं। जैसे, रेत में चलने में क्या-क्या दिक्कतें आती होंगी? ऊँट क्या-क्या खाता होगा?

3. निष्कर्ष निकालने वाले प्रश्न: पाठ में जो स्पष्ट रूप से नहीं दिया, उससे जुड़े अनुमान लगाने वाले प्रश्न बच्चों को स्वयं निष्कर्ष निकालने के लिए प्रेरित करते हैं। जैसे, ऊँट कितने दिन तक बिना पानी के रह सकता है?

4. विश्लेषण तर्क/वितर्क राय देने से जुड़े प्रश्न: ये प्रश्न बच्चों को अलग-अलग दृष्टिकोण समझने या अपना दृष्टिकोण बताते हुए उससे जुड़े तर्क देने के लिए प्रेरित करते हैं। जैसे, अगर रेत गर्म हो तो ऊँट को क्या-क्या परेशानी हो सकती है? क्या ऊँट बारिश में भी चल सकता है?

5. कल्पनाशीलता को बढ़ाने वाले प्रश्न: ये प्रश्न बच्चों को कहानी से हटाकर उनकी कल्पना को नई उड़ान देते हैं। जैसे, जब आँधी चलती है तो रेगिस्तान में क्या होता होगा? ऊँट तब भी रेत में चल पाते होंगे?

6. जीवन से जोड़ने वाले प्रश्न: ये प्रश्न कहानी को बच्चों से जोड़ने में सहायक होते हैं। जैसे, जब आप कहीं घूमने जाते हैं और आपके पास पानी खत्म हो जाए तो क्या-क्या समस्याएँ आती हैं?

चित्र संयोजक की मदद से चर्चा करना

किसी भी तरह के पाठ (कहानी या जानकारी वाले) की मुख्य जानकारी या अवधारणा के बीच संबंध दर्शाने वाले चित्र होते हैं।

- ये बच्चों को पाठ में दी गई जानकारी को व्यवस्थित करने में मदद करते हैं।
- इसके माध्यम से बच्चों को स्पष्ट हो जाता है कि कौन-सी जानकारी महत्त्वपूर्ण है और कौन-सी नहीं।
- घटनाओं के क्रम, अवधारणाओं या घटनाओं के बीच संबंध की जानकारी मिलती है।

बच्चों के अनुभव और पूर्वज्ञान को सक्रिय करना

अच्छा पृष्ठभूमि ज्ञान और पिछले अनुभव नए अर्थ-निर्माण पर गहरा प्रभाव डालते हैं। बच्चों के पूर्वज्ञान को उकसाने वाले प्रश्न पूछने चाहिए। यह न केवल उनके लिए लाभदायक है जो विषय के बारे में कुछ पहले से जानते हैं, बल्कि उन बच्चों के लिए भी बहुत ही महत्त्वपूर्ण है? जिनके पास पहले से कोई जानकारी नहीं। चर्चा में दूसरों की बात सुनकर उन्हें भी नई जानकारी मिलती है और पढ़े जा रहे पाठ से जुड़ने का मौका मिलता है।

सार-संकलन/पुनः सुनाना

दोबारा सुनाने और सार-संकलन करने से मौखिक भाषा प्रवाह विकसित करने में मदद मिलती है। इससे कहानी की संरचना के बोध में सुधार आता है, विचारों को व्यवस्थित करने और तथ्यों व सूचनाओं को क्रमबद्ध करने का अभ्यास होता है। साथ ही, व्यक्तिगत व्याख्याएँ करने और समझते हुए पढ़ने की क्षमता में सुधार आता है। बच्चों को सार संकलित करने और कहानियों को फिर से सुनाने के अवसर मिलने चहिए। बच्चों को प्रश्न बनाने के लिए प्रेरित करना, समझते हुए पढ़ने के दौरान एक कुशल पाठक पाठ के साथ एक तरह का वार्तालाप स्थापित कर लेते हैं। इसलिए कुशल पाठक पढ़ते समय स्वयं से अथवा दूसरों से प्रश्न भी पूछते हैं, यह देखने के लिए कि क्या उनका अनुमान सही है? क्या वे सही समझ रहे हैं, क्या कुछ और है जो उन्होंने नहीं समझा है? इसके लिए बच्चों को यह सिखाना चाहिए कि वे पढ़ते समय स्वयं प्रश्न करते रहें, चाहे खुद से, अपने जोड़ीदार से, समूह के सदस्यों से, या शिक्षक से। इससे उन्हें अपनी समझते हुए पढ़ने की क्षमता की निगरानी करने में मदद मिलेगी।

7. कक्षा-3 के लिए लक्षित दक्षताएँ

लक्षित दक्षताओं को अकादमिक सत्र में प्राप्त करने के लिए शिक्षण योजनाएँ बनाई गई हैं, जो इस शिक्षक संदर्शिका में दी गई हैं। इन शिक्षण योजनाओं में विभिन्न गतिविधियों एवं शिक्षण सामग्रियों को काम में लिया गया है, जो क्रमिक रूप से बच्चों को लक्षित दक्षताओं को प्राप्त करने में मदद करेंगी। प्रत्येक शिक्षण योजना किसी निर्धारित शिक्षण उद्देश्य पर आधारित है। जैसा कि हमने पहले भी बात की है कि ये शिक्षण योजनाएँ 'संतुलित भाषा शिक्षण पद्धति' पर आधारित हैं। अतः मौखिक भाषा, डिकोडिंग, पठन एवं लेखन- इन सभी आयामों पर साथ-साथ कार्य किया जाएगा।

इन दक्षताओं को राज्य के सीखने के प्रतिफल के साथ सरेखित किया गया है।

	दक्षताएँ	राज्य के सीखने के प्रतिफल
मौखिक भाषा विकास	**सुनकर समझना और प्रतिक्रिया देना** • कहानी के पाठ से सरल निष्कर्ष वाले एवं पाठ से परे वाले प्रश्नों के उत्तर देना।	LH301 LH302 LH304 LH305
	मौखिक शब्दावली • शब्दों जैसे- समान, विजेता, ईमानदारी, उदारता इत्यादि के अर्थ समझना एवं बातचीत में इस्तेमाल कर पाना।	
	मौखिक अभिव्यक्ति व वर्णन • चित्र कहानी की मुख्य घटनाओं को हाव-भाव के साथ अपनी भाषा या हिंदी के सरल वाक्यों में सुना पाना।	
डिकोडिंग	**शब्द पहचान की पुनरावृत्ति (वर्ण/मात्रा पहचान/शब्द पठन)** • हिंदी वर्णमाला के सभी वर्णों और मात्राओं को पहचान पाना। • 3-5 वर्ण वाले शब्द प्रवाह के साथ पढ़ना।	LH212
पठन	**मौखिक पठन प्रवाह** • 60-80 शब्द (10-12 वाक्य) वाले पाठ को प्रवाह के साथ (30-35 शब्द प्रति मिनट) की दर से पढ़ पाना।	LH306 LH307 LH308 LH310
	पढ़कर समझना • 80-100 शब्द (15-20 वाक्य) वाले पाठ को पढ़ना और सीधे तथ्य एवं निष्कर्षात्मक वाले प्रश्न के उत्तर हिंदी में बताना।	
लेखन	**लेखन** • 4-6 शब्दों के दो वाक्य सुनकर लिख पाना। • पाठ से जुड़े प्रश्न के उत्तर दो सरल वाक्य में लिख पाना।	LH309 LH311 LH313 LH314
	लेखन (रचना) • मौखिक गतिविधि के रूप में अपने विचार, अनुभव, रचना इत्यादि 3-4 वाक्य में लिख पाना।	

8. कक्षा-3 में भाषा शिक्षण की रूपरेखा और ढाँचा

कक्षा 3 की सामान्य रूपरेखा

इस संदर्शिका में 26 सप्ताह के शिक्षण कार्य की योजना है, जिसमें मुख्य फोकस प्रवाहपूर्ण पठन और समझ आधारित गतिविधियों पर रहेगा। बच्चे अपने स्तर के पाठ को पढ़कर समझ सकें। इसके लिए मौखिक भाषा विकास, डिकोडिंग, पठन की गतिविधियों को व्यवस्थित किया गया है।

पाठ्यपुस्तक पर कार्य, मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित पठन-लेखन (30-35 मिनट)	अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: डिकोडिंग एवं संबंधित पठन-लेखन अभ्यास (35-40 मिनट)	पठन अभ्यास (10-15 मिनट)
गतिविधियाँ	**गतिविधियाँ**	**गतिविधियाँ**
• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक पर कार्य • चित्र पर कार्य व लेखन • सृजनात्मक गतिविधि • मौखिक खेल गतिविधि • कहानी सुनाना/अभिनय	• पुनरावृत्ति वर्ण/अक्षर और मात्रा • पाठ पर आधारित पठन और लेखन की गतिविधियाँ (पढ़कर सुनाना, मार्गदर्शन में पठन और स्वतंत्र पठन)	• मार्गदर्शन में पठन • स्वतंत्र पठन • प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास
सामग्री	**सामग्री**	**सामग्री**
• पाठ्यपुस्तक • तरिया के दरपन • सृजनात्मक खेल • बच्चों के लिए नोटबुक, पेंसिल रंग आदि	• ग्रिड कार्ड • अभ्यास पुस्तिका • श्रुतलेख के लिए नोटबुक	• अभ्यास पुस्तिका • पुस्तकालय की किताबें

कक्षा-3 में भाषा शिक्षण के लिए उपयोग में लाई जाने वाली सामग्री का विवरण

चित्र चार्ट

बच्चों के लिए बड़े आकार के चित्र चार्ट का उपयोग मुख्य रूप से बच्चों के साथ मौखिक भाषा विकास की गतिविधियों के लिए किया जाएगा। पाठ्यपुस्तक के चित्रों का उपयोग भी किया जा सकता है।

वर्ण/अक्षर कार्ड

ग	का
आ	र

कक्षा-3 में वर्ण/अक्षर कार्ड का उपयोग बच्चों को वर्ण और अक्षरों की पहचान के लिए करेंगे। इस तरह के वर्ण/अक्षर कार्ड स्कूल स्तर पर भी बनाए जा सकते हैं।

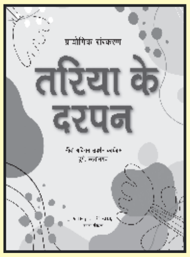

तरिया के दरपन

कक्षा-3 में 'तरिया के दरपन' उपलब्ध रहेगी। इसमें शिक्षकों के लिए बच्चों की भाषा और हिंदी भाषा की कविताओं, पहेलियों और कहानियों का संकलन किया गया है।

9. कक्षा-3 में शिक्षण की वार्षिक योजना

सप्ताह संख्या	किए जाने वाले काम का विवरण
सप्ताह 1 से 2 तक	• कक्षा-2 की दक्षताओं का दोहरान (सप्ताह 1 से 2 तक वर्ण मात्रा) • पाठ्यपुस्तक के पाठों (पाठ सं. 1 से 2 तक) पर काम • मौखिक भाषा विकास की गतिविधियाँ
सप्ताह 3 से 12 तक	• पाठ्यपुस्तक के पाठों (पाठ सं. 3 व 12) पर मौखिक भाषा विकास के अंतर्गत काम • अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठों को पढ़ने और उस पर आधारित लेखन के अभ्यास
सप्ताह 13 सावधिक आकलन 1	• सप्ताह 13 तक सीखी हुई दक्षताओं का आकलन व पुनरावृत्ति
सप्ताह 14 से 19 तक	• पाठ्यपुस्तक के पाठों (पाठ सं. 13 से 18) पर मौखिक भाषा विकास के अंतर्गत काम • अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठों को पढ़ने और उस पर आधारित लेखन के अभ्यास • पठन प्रवाह आकलन
सप्ताह 20 सावधिक आकलन 2	• सप्ताह 19 तक सीखी हुई दक्षताओं का आकलन व पुनरावृत्ति
सप्ताह 21 से 26 तक	• पाठ्यपुस्तक के पाठों (पाठ सं. 19 से 24) पर मौखिक भाषा विकास के अंतर्गत काम • अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठों को पढ़ने और उस पर आधारित लेखन के अभ्यास • पठन प्रवाह आकलन • पुनरावृत्ति अभ्यास

कक्षा-3 में भाषा शिक्षण के लिए उपयोग में लाई जाने वाली सामग्री का विवरण

अभ्यास पुस्तिका

कक्षा-3 के सभी बच्चों के लिए अभ्यास पुस्तिका उपलब्ध रहेगी, जिसका उपयोग डिकोडिंग, पठन और लेखन के लिए किया जाएगा।

पाठ्यपुस्तक

राज्य की पाठ्यपुस्तक का उपयोग कई तरह की गतिविधियों के लिए किया जाएगा।

शिक्षक संदर्शिका

शिक्षकों के लिए संदर्शिका उपलब्ध रहेगी, जिसका उपयोग दैनिक योजना, गतिविधियों का विवरण, कार्य के चरण व शिक्षण कार्य के निर्देशों को समझने के लिए किया जाएगा।

पुस्तकालय

स्कूल के पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों, बिग बुक का उपयोग कई तरह की गतिविधियों के लिए किया जाएगा। (पढ़कर सुनाना, साझा पठन आदि)

9.1 कक्षा में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्रियों का निर्माण

9.1.1 ग्रिड कार्ड

कक्षा कक्ष में सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में ग्रिड कार्ड बच्चों के वर्ण/ अक्षर/शब्द पहचान तथा पठन अभ्यास के लिए बहुत उपयोगी है। ग्रिड कार्ड की सहायता से बच्चे समूह या खुद से ही सीखने का प्रयास कर सकते हैं। ग्रिड कार्ड से खेल–खेल में ही वर्णों, अक्षरों और शब्दों के पहचान की गतिविधि कराई जा सकती है।

ग्रिड के प्रकार :

1. क्रमिक ग्रिड –

यह ग्रिड किसी खास मात्रा की पहचान के लिए है।

ग	गा
म	मा
न	ना
र	रा

ज	जी
न	नी
प	पी
त	ती

क्रमिक ग्रिड

2. अक्रमिक ग्रिड –

इस ग्रिड में सप्ताह में सिखाए गए लक्षित वर्णों/ अक्षरों को लिया जाता है। इसमें दिए वर्णों / अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाए भी जा सकते हैं।

ग	मा	ला	मु
अ	म	जा	क
दी	वा	ल	हा
दा	वी	क	स

अक्रमिक ग्रिड

सामग्री : कार्ड शीट (कोई भी रंग की) स्केल, पेंसिल, स्केच पेन, कैंची, चॉक, ब्लैक बोर्ड

बनाने का तरीका :

- ग्रिड कार्ड बनाने के लिए कार्ड शीट लें और उसे एक बड़े चौकोर आकार में काट लें।
- कार्ड शीट पर स्केल की मदद से (4 x 2) या (3 x 3 या 4 x 4) के खाने बनाएँ।
- कार्ड शीट पर वर्णों/अक्षरों को बड़े आकार में (वर्ण/अक्षर को एक- एक खाने में) लिख लें।
- वर्ण/अक्षर का आकार इतना बड़ा हो कि दूर बैठा बच्चा भी उसे पढ़ सके।

ध्यान रखें :

बच्चों द्वारा उस सप्ताह तक सीखे गए वर्णों/अक्षरों / मात्राओं को ही इस्तेमाल में लें ऐसी ग्रिड बोर्ड पर भी बनाई जा सकती हैं।

9.1.3 शब्द दीवार/शब्द चार्ट बनाने का तरीका

शब्दों या वाक्यों का समूह जिन्हें चार्ट/कार्ड/ब्लैक बोर्ड पर बड़े अक्षरों में लिखकर कक्षा-कक्ष की दीवारों पर लगाया जाता है। जिसका उपयोग बच्चे पढ़ना सीखने की प्रक्रिया में करते हैं। भाषा शिक्षण के दौरान पढ़ने की विभिन्न गतिविधियों में शब्द दीवार का उपयोग कर सकते हैं।

सामग्री :

- कार्ड / चार्ट शीट, बोल्ड मार्कर/ स्केच पेन/ चॉक
- 20 से 25 शब्दों / वाक्यांशों /वाक्यों की सूची

बनाने का तरीका :

- बोर्ड या बड़े चार्ट पेपर पर बड़े-बड़े अक्षरों में चुने गए शब्द/वाक्यांश/वाक्य लिखें।
- चार्ट पेपर पर लिखे शब्दों /वाक्यांशों /वाक्यों को कक्षा की दीवार पर उस जगह चिपका दें। जहाँ बच्चों की पहुँच हो और बच्चों द्वारा आसानी से देखा और पढ़ा जा सकें।

पंखा चरखा बंदर रोटी

बाँट दौड़ अजगर अखबार

मेहनत पिंजरा प्याज कैंची

रहमत के पास एक कैंची थी

राधा को झूला झूलना बहुत पसंद था

पतंग आसमान में लहरा रही थी।

गुड़िया तब गाना सुना रही थी।

ध्यान रखें :

- शब्द / वाक्यांश / वाक्य बच्चों के स्तर के अनुसार हो।
- इन शब्दों/वाक्यांशों/वाक्यों का चयन आप पाठ्यपुस्तक/अभ्यास पुस्तिका/कविता/कहानी आदि से कर सकते हैं।
- पाठ्यपुस्तक/अभ्यास पुस्तिका के सप्ताहवार आए पाठों से ही शब्दों/वाक्यांशों/वाक्यों का चयन करें।

9.1.4 वर्ण/ अक्षर कार्ड

कक्षा-कक्ष में वर्ण /अक्षर पहचान के लिए वर्ण /अक्षर कार्ड की गतिविधि होती है। यह गतिविधि खेल-खेल में कराई जाती है। जिसमें बच्चे वर्णों/अक्षरों के साथ चित्रात्मक सामंजस्य बिठा पाते हैं।

आ	ना
ग	क

सामग्री- कार्ड, स्केल, पेंसिल, स्केच पेन, कैंची, चॉक, ब्लैक बोर्ड

बनाने का तरीका : वर्ण कार्ड बनाने के लिए शीट पर स्केल से (3 x 3 या 4 x 4) के खाने बनाएँ और काट लें। कार्ड शीट पर वर्णों/ अक्षरों को स्केच पेन से बड़े आकार में (एक खाने मे एक वर्ण) लिख लें।

ध्यान रखें : बच्चों द्वारा उस सप्ताह सीखे गए वर्णों/ अक्षरों को ही लेकर यह गतिविधि बोर्ड पर भी की जा सकती है।

9.1.5 चित्र चार्ट बनाने का तरीका

यदि आपकी कक्षा में चित्र चार्ट उपलब्ध हैं, तो आप उन्हीं चार्ट का इस्तेमाल करें अन्यथा चित्र पर चर्चा के लिए निम्न प्रकार से चित्र की व्यवस्था करें।

- कक्षा के बाहर बच्चों को ले जाएँ और आस-पास दिखाई देने वाली चीज़ों पर चर्चा करें।
- चित्र चार्ट के लिए पाठ्यपुस्तक/ पुस्तकालय की किताबों से बड़े आकार के चित्र खोज कर चर्चा करें।
- चार्ट पेपर पर एक बड़ा-सा सघन चित्र बनाएँ, जिसमें कई प्रकार की गतिविधियाँ होती दिख रही हों। जैसे- किसी मेला का चित्र, पार्क का चित्र, होली खेलते बच्चे और उसके आस-पास का चित्र आदि।

10. साप्ताहिक शिक्षण योजना की रूपरेखा

10.1 साप्ताहिक शिक्षण योजना (सप्ताह 1 से 6 तक)

खंड	गतिविधि	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छठा दिन
मौखिक भाषा विकास, पाठ्यपुस्तक पर कार्य एवं संबंधित लेखन (30-35 मिनट)	कविता/बालगीत	✓	✓	✓	✓	✓	✓
	पाठ्यपुस्तक पर कार्य	✓	✓	✓	✓		
	चित्र पर कार्य/कहानी सुनाना/अभिनय					✓	
	सृजनात्मक कार्य एवं मौखिक खेल गतिविधियाँ						✓
अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (35-40 मिनट)	अभ्यास पुस्तिका पर डिकोडिंग से संबंधित कार्य (वर्ण/अक्षर/शब्द पठन/लेखन)	✓	✓	✓	✓		
	साप्ताहिक पुनरावृत्ति					✓	
	साप्ताहिक आकलन और स्तरानुसार कार्य						✓
पठन अभ्यास (10-15 मिनट)	शिक्षक के मार्गदर्शन में पठन	✓	✓	✓	✓		
	स्वतंत्र पठन					✓	✓

10.2 साप्ताहिक शिक्षण योजना (सप्ताह 7 से 26 तक)

खंड	गतिविधि	पहला दिन	दूसरा दिन	तीसरा दिन	चौथा दिन	पाँचवाँ दिन	छड़ा दिन
मौखिक भाषा विकास, पाठ्यपुस्तक पर कार्य एवं संबंधित लेखन (30-35 मिनट)	कविता/बालगीत	✓	✓	✓	✓	✓	✓
	पाठ्यपुस्तक पर कार्य	✓	✓	✓	✓		
	अनुभव/घटना पर लेखन कार्य/अभिनय					✓	
	सृजनात्मक कार्य एवं मौखिक खेल गतिविधियाँ						✓
अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (35-40 मिनट)	पाठ आधारित पठन-लेखन कार्य	✓	✓	✓	✓		
	पुनरावृत्ति एवं आकलन (स्तरानुसार कार्य)					✓	✓
पठन अभ्यास (10-15 मिनट)	प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास और आकलन	✓	✓	✓	✓		
	स्वतंत्र पठन					✓	✓

11. साप्ताहिक व दिवसवार योजना

कक्षा–3 में 26 सप्ताह के शिक्षण कार्य की योजना यहाँ दी गई है, जिसको साप्ताहिक व दिवसवार योजना के रूप में विभाजित किया गया है। दैनिक शिक्षण कार्य तीन अलग–अलग खंड में होगा। प्रत्येक खंड की प्रस्तावित गतिविधियों पर कैसे काम करना है, से संबंधित दिशा–निर्देश संदर्शिका के पृष्ठ 44 पर दिए गए हैं। शिक्षक प्रत्येक दिन की कार्य योजना पूरी होने के बाद ट्रैकर वाले कॉलम में अपने हस्ताक्षर करके दिनाँक लिखें।

सप्ताह–1				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (30–35 मिनट)	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (35–40 मिनट)	पठन (10–15 मिनट)	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–1 'सीखो' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• डिकोडिंग खेल गतिविधि • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–1	• शब्द दीवार से मुख्य शब्दों का साझा पठन	☑ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–1 'सीखो' पर मौखिक कार्य (हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, समझ आधारित चर्चा, मार्गदर्शन पठन)	• डिकोडिंग खेल गतिविधि • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–2	• शब्द दीवार से मुख्य शब्दों का साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–1 'सीखो' पर कार्य (मार्गदर्शन, भाषा आधारित प्रश्नों पर चर्चा, प्रश्न अभ्यास)	• डिकोडिंग खेल गतिविधि • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–3	• शब्द दीवार से मुख्य शब्दों का साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–1 'सीखो' पर कार्य (स्वतंत्र पठन, भाषा आधारित प्रश्नों पर चर्चा एवं लेखन कार्य)	• डिकोडिंग खेल गतिविधि • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–4	• शब्द दीवार से मुख्य शब्दों का साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • चित्र पर कार्य	• डिकोडिंग खेल गतिविधि • ग्रिड पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–5	• शब्द दीवार से मुख्य शब्दों का साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• मात्रा पहचान पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–6 • समूह–1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• शब्द दीवार से मुख्य शब्दों का साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

- पुनरावृत्ति सप्ताह में अब तक सीखे गए वर्ण/अक्षर, शब्द का उपयोग कर नई ग्रिड बनवाकर कार्य करवाएँ।
- शब्द दीवार को बनाने के लिए संदर्शिका की पृष्ठ संख्या 16 देखें।

सप्ताह-2				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 'सच्चा बालक' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• डिकोडिंग खेल गतिविधि • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-7	• शब्द दीवार से मुख्य शब्दों का साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 'सच्चा बालक' पर मौखिक कार्य (हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, समझ आधारित चर्चा, मार्गदर्शन पठन)	• मात्रा पहचान पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-8	• शब्द दीवार से मुख्य शब्दों का साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 'सच्चा बालक' पर कार्य (प्रश्न 1 से 9 पर कार्य)	• डिकोडिंग खेल गतिविधि • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-9	• शब्द दीवार से मुख्य शब्दों का साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-2 'सच्चा बालक' पर कार्य (भाषा अध्ययन एवं व्याकरण प्रश्न - 1 से 7 तक)	• डिकोडिंग खेल गतिविधि • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-10	• शब्द दीवार से मुख्य शब्दों का साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • कहानी पढ़कर सुनाना, चर्चा करना	• डिकोडिंग खेल गतिविधि • मात्रा पहचान पर कार्य • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-11	• शब्द दीवार से मुख्य शब्दों का साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • सृजनात्मक खेल गतिविधि	• डिकोडिंग खेल गतिविधि • अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-12 • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• शब्द दीवार से मुख्य शब्दों का साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
• पुनरावृत्ति सप्ताह में अब तक सीखे गए वर्ण/अक्षर, शब्द का उपयोग कर नई ग्रिड बनवाकर कार्य करवाएँ।				

सप्ताह-3				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 'मुसवा रइथे जी' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-13 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• शब्द दीवार से मुख्य शब्दों का साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 'मुसवा रइथे जी' पर मौखिक कार्य (समझ आधारित चर्चा, प्रश्न-उत्तर पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-14 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• शब्द दीवार से मुख्य शब्दों का साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-3 'मुसवा रइथे जी' पर कार्य (मार्गदर्शन, बोध प्रश्न 1 व भाषा अध्ययन एवं व्याकरण के प्रश्न 1-3 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-15 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• शब्द दीवार से मुख्य शब्दों का साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्य पुस्तक के पाठ 3 पर कार्य (स्वतंत्र पठन, प्रश्न योग्यता विस्तार पर मौखिक चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-16 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• शब्द दीवार से मुख्य शब्दों का साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • अभिनय	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-17 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन)	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
		• समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य		

• मौखिक खेल गतिविधि के लिए शिक्षक संदर्शिका के पृष्ठ सं. 51-54 को देखें।

सप्ताह-4				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 'बंदर बाँट' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-18 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• शब्द दीवार से मुख्य शब्दों का साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 'बंदर बाँट' पर कार्य (हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, समझ आधारित चर्चा, समझ आधारित प्रश्न)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-19 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• शब्द दीवार से मुख्य शब्दों का साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-4 'बन्दर बाँट' पर पर मौखिक कार्य (अभ्यास के प्रश्न 1 से 10 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-20 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• शब्द दीवार से मुख्य शब्दों का साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ के प्रश्न 'बन्दर बाँट' पर कार्य (भाषा अध्ययन एवं व्याकरण के प्रश्न पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-21 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• शब्द दीवार से मुख्य शब्दों का साझा पठन	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • चित्र पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-22 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • सृजनात्मक गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

• चित्र पर कार्य करने का तरीका के लिए कक्षा-2 की शिक्षक संदर्शिका के पृष्ठ सं. 52 पर देखें।

सप्ताह-5				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 'मीठे बोल' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-23 – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-1 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 'मीठे बोल' पर मौखिक कार्य (हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, समझ आधारित चर्चा, मार्गदर्शन पठन)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-24 – पाठ आधारित पठन व लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-1 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 'मीठे बोल' पर कार्य (मार्गदर्शन पठन, प्रश्न और अभ्यास के प्रश्न 1 से 8 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-25 – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-2 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-5 'मीठे बोल' पर कार्य (स्वतंत्र पठन, भाषा अध्ययन और व्याकरण पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-26 – पाठ आधारित पठन व लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-2 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • कहानी पढ़कर सुनाना, चर्चा करना	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-27 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ से	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-6				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 'कबूतर और मधुमक्खियाँ' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-28 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-3 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 'कबूतर और मधुमक्खियाँ' पर कार्य (हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, समझ आधारित चर्चा एवं प्रश्नों पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-29 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-3 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 'कबूतर और मधुमक्खियाँ' पर कार्य: प्रश्न संख्या 1 से 7 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-30 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-4 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • चित्र कथा पर कार्य: पाठ्यपुस्तक के पाठ-6 'कबूतर और मधुमक्खियाँ' में भाषा अध्ययन एवं व्याकरण पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-31 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-4 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • अभिनय पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-32 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • सृजनात्मक गतिविधियाँ	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

- अभिनय पर कार्य करने का तरीका के लिए कक्षा-2 की शिक्षक संदर्शिका के पृष्ठ से 54 को देखें।

सप्ताह-7				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 'चाँद का कुरता' पर कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-33 – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-5 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 'चाँद का कुरता' पर कार्य (हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, समझ आधारित चर्चा प्रश्न और अभ्यास 1 से 5 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-34 – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-5 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 'चाँद का कुरता' पर कार्य (मार्गदर्शन पठन, प्रश्न और अभ्यास 6 से 11 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-35 – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-6 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-7 'चाँद का कुरता' पर कार्य (स्वतंत्र पठन, व्याकरण वाले प्रश्नों पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-36 – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-6 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • अनुभव पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य – पाठ 37 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-8				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 'चलव खेल खेलबो' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-38 – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-7 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 'चलव खेल खेलबो' पर मौखिक कार्य (समझ आधारित चर्चा, मार्गदर्शन पठन, प्रश्न और अभ्यास 'गतिविधि' पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-39 – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-7 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 'चलव खेल खेलबो' पर मौखिक कार्य (प्रश्न संख्या 1 से 3 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-40 – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-8 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-8 'चलव खेल खेलबो' भाषा अध्ययन एवं व्याकरण के प्रश्नों पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-41 – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-8 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • अभिनय पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-42 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • सृजनात्मक कार्य	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

• सृजनात्मक गतिविधियों के लिए शिक्षक संदर्शिका के पृष्ठ सं. 48-50 को देखें।

सप्ताह-9				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 'आदिमानव' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-43 – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-9 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 'आदिमानव' पर मौखिक कार्य (हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, समझ आधारित चर्चा, प्रश्न और अभ्यास 1 से 5 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-44 – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-9 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 'आदिमानव' पर कार्य (मार्गदर्शन पठन, प्रश्न और अभ्यास 6 से 10 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-45 – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-10 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-9 'आदिमानव' पर कार्य (स्वतंत्र पठन, भाषा अध्ययन और व्याकरण पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-46 – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-10 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • अनुभव पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-47 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ से	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति का कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-10				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 'चुहिया की शादी' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-48 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-11 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 'चुहिया की शादी' पर मौखिक कार्य (हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, समझ आधारित चर्चा)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-49 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-11 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 'चुहिया की शादी' पर कार्य (प्रश्न 1 से 9 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-50 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-12 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-10 'चुहिया की शादी' के भाषा अध्ययन और व्याकरण 1, 2 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-51 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-12 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • अभिनय पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-52 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • सृजनात्मक कार्य	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति का कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-11

दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन (30-35 मिनट)	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन (35-40 मिनट)	पठन (10-15 मिनट)	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 'दादा जी' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-53 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-13 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 'दादा जी' पर कार्य (हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, समझ आधारित चर्चा, प्रश्न और अभ्यास 1 से 5 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-54 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-13 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 'दादा जी' पर अभ्यास कार्य (प्रश्न और अभ्यास प्रश्न 6 से 9)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-55 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-14 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-11 'दादा जी' पर कार्य (भाषा अध्ययन और व्याकरण प्रश्न 1 से 4 और रचनात्मक कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-56 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-14 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • अनुभव पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य - पाठ 57 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ से	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति का कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर --------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-12				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 'हाथी' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य - पाठ-58 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-15 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 'हाथी' पर मौखिक कार्य (हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, समझ आधारित चर्चा, प्रश्न और अभ्यास 7 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य - पाठ-59 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-15 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 'हाथी' पर कार्य (प्रश्न और अभ्यास प्रश्न 1 से 7)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य - पाठ-60 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-16 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-12 'हाथी' पर कार्य (भाषा अध्ययन और व्याकरण प्रश्न 1 से 4 और रचनात्मक कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य - पाठ-61 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-16 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • अभिनय पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य - पाठ-62 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • सृजनात्मक कार्य	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) • समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति का कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-13				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-10 'चुहिया की शादी' पर कार्य (पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा और शब्दार्थ पर कार्य)	उपचारात्मक कार्य	उपचारात्मक कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-10 'चुहिया की शादी' पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन और प्रश्न अभ्यास 5 से 9 पर कार्य)	उपचारात्मक कार्य	उपचारात्मक कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-12 'हाथी' पर कार्य (पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा और शब्दार्थ पर कार्य)	उपचारात्मक कार्य	उपचारात्मक कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-12 'हाथी' पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन और प्रश्न अभ्यास 1 से 6 पर कार्य)	उपचारात्मक कार्य	उपचारात्मक कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता गाना • अनुभव पर कार्य	उपचारात्मक कार्य	उपचारात्मक कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत • मौखिक खेल गतिविधि	मैंने सीख लिया	मैंने सीख लिया	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

- इस सप्ताह में अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठों पर अभ्यास कार्य कराएँ।
- इस सप्ताह में पाठ्यपुस्तक की पाठ संख्या 10 और 12 पर दो-दो दिन कार्य किया जाएगा, जिसमें पाठ सुनाना, चर्चा करना और अभ्यास कार्य शामिल हैं।
- पुनरावृत्ति एवं आकलन का तरीका के लिए पृष्ठ सं. 61-64 देखें।

सप्ताह-14				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 'होनहार लइका नरेन्द्र' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-63 – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यासपुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-17 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-13 'होनहार लइका नरेन्द्र' पर मौखिक कार्य (हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, समझ आधारित चर्चा प्रश्न 1 से 6 पर अभ्यास कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-64 – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यासपुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-17 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के 13 'होनहार लइका नरेन्द्र' पर कार्य (प्रश्न और अभ्यास 2, मुहावरा पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-65 – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यासपुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-18 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के 13 'होनहार लइका नरेन्द्र' पर कार्य (भाषा अध्ययन और व्याकरण के प्रश्न 1 से 4 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-66 – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यासपुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-18 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • अभिनय पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य – पाठ 67 (साप्ताहिक आकलन)	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • सृजनात्मक कार्य	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन)	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
		• समूह-1 के बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से पुनरावृत्ति का कार्य		
• कविता/बालगीत के लिए सथानीय कविता, बालगीत, लोकगान का इस्तेमाल करें।				

सप्ताह-15				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-14 'कौन जीता?' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-68 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-19 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-14 'कौन जीता?' पर कार्य (हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, समझ आधारित चर्चा, प्रश्न और अभ्यास 1 और 2 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-69 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-19 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-14 'कौन जीता?' पर कार्य (प्रश्न और अभ्यास 3 से 9 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-70 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-20 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-14 'कौन जीता?' पर भाषा अध्ययन और व्याकरण के प्रश्न 1 और 2, कहानी बनाओ पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-71 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-20 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • अनुभव पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य - पाठ 72 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन)	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
		• सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		

सप्ताह-16				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 'मैं हूँ महानदी' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-73 – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-21 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 'मैं हूँ महानदी' पर कार्य (हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, समझ आधारित चर्चा, 'प्रश्न और अभ्यास' 1 से 5 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-74 – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-21 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 'मैं हूँ महानदी' के 'प्रश्न और अभ्यास' 6 से 11 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-75 – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-22 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ-15 'मैं हूँ महानदी' पर भाषा अध्ययन और व्याकरण के प्रश्न 1: लिंग शब्दों पर कार्य, प्रश्न 2 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-76 – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-22 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • अभिनय पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य – पाठ-77 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • सृजनात्मक कार्य	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह–17				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30–35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35–40 मिनट	पठन 10–15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–16 'अगर पेड़ भी चलते होते' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–78 – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ–23 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–16 'अगर पेड़ भी चलते होते' पर कार्य (हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, समझ आधारित चर्चा, 'प्रश्न और अभ्यास' 1 से 4 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–79 – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ–23 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–16 'अगर पेड़ भी चलते होते' पर कार्य (मार्गदर्शन पठन, भाषा अध्ययन और व्याकरण के प्रश्न 5 से 9 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–80 – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ–24 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • पाठ्यपुस्तक के पाठ–16 'अगर पेड़ भी चलते होते' पर कार्य (स्वतंत्र पठन, भाषा अध्ययन और व्याकरण के प्रश्न 1 से 3 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ–81 – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ–24 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • अनुभव पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य – पाठ–82 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत (तरिया के दरपन) • मौखिक खेल गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) • सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• समूह–2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-18				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 'सतवन्तिन गाय बहुला' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-83 – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-25 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 'सतवन्तिन गाय बहुला' पर कार्य (समझ आधारित चर्चा, 'प्रश्न और अभ्यास' के बोध प्रश्न और रचना पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-84 – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-25 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 'सतवन्तिन गाय बहुला' पर कार्य ('प्रश्न और अभ्यास' 1 से 3 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-85 – शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना – बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-26 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-17 'सतवन्तिन गाय बहुला' पर कार्य ('भाषा अध्ययन और व्याकरण' 1 से 7 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-86 – पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-26 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • अभिनय पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-87 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • सृजनात्मक कार्य	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

• यदि सामाजिक एवं भावनात्मक विकास, सृजनात्मक गतिविधि या अन्य गतिविधि दिए गए समय से पहले हो जाती हैं तो आप उस दिन एक और गतिविधि करावाएँ।

सप्ताह-19				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 'जंगल में स्कूल' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-88 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-27 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 'जंगल में स्कूल' पर कार्य (हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, समझ आधारित चर्चा, प्रश्न और अभ्यास 1 से 5 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-89 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-27 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 'जंगल में स्कूल' पर कार्य (प्रश्न और अभ्यास 6 से 11 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-90 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-28 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-18 'जंगल में स्कूल' पर कार्य ('भाषा अध्ययन और व्याकरण' प्रश्न 1 और रचना पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-91 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-28 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • अनुभव पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-92 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • मौखिक खेल गतिविधियाँ	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

• यदि सामाजिक एवं भावनात्मक विकास, सृजनात्मक गतिविधि या अन्य गतिविधि दिए गए समय से पहले हो जाती हैं तो आप उस दिन एक और गतिविधि करा सकते/सकती हैं।

सप्ताह-20				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-16 'अगर पेड़ भी चलते होते' पर कार्य (पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा और शब्दार्थ पर कार्य)	उपचारात्मक कार्य	उपचारात्मक कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-16 'अगर पेड़ भी चलते होते' पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन और रचना और योग्यता विस्तार पर कार्य)	उपचारात्मक कार्य	उपचारात्मक कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-15 'मैं हूँ महानदी' पर कार्य (पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा और शब्दार्थ पर कार्य)	उपचारात्मक कार्य	उपचारात्मक कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत • पाठ्यपुस्तक: पाठ-15 'मैं हूँ महानदी' पर कार्य (मार्गदर्शन में पठन और रचना और योग्यता विस्तार पर कार्य)	उपचारात्मक कार्य	उपचारात्मक कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता गाना • अभिनय पर कार्य	उपचारात्मक कार्य	उपचारात्मक कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत • सृजनात्मक कार्य	मैंने सीख लिया	मैंने सीख लिया	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

- इस सप्ताह में अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठों पर अभ्यास कार्य कराएँ।
- इस सप्ताह में पाठ्यपुस्तक की पाठ संख्या 15 और 16 पर दो-दो दिन कार्य किया जाएगा, जिनमें पाठ सुनाना, चर्चा करना और अभ्यास कार्य शामिल हैं।

सप्ताह-21				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 'तेल का गिलास' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-93 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-29 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 'तेल का गिलास' पर कार्य (हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, समझ आधारित चर्चा, प्रश्न और अभ्यास 9 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-94 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-29 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 'तेल का गिलास' पर कार्य: अभ्यास प्रश्न 1 से 8 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-95 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-30 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-19 'तेल का गिलास' पर कार्य: अभ्यास में 'भाषा अध्ययन और व्याकरण' के प्रश्नों पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-96 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-30 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • अनुभव पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-97 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • मौखिक खेल गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

• यदि सामाजिक एवं भावनात्मक विकास, सृजनात्मक गतिविधि या अन्य गतिविधि दिए गए समय से पहले हो जाती हैं तो आप उस दिन एक और गतिविधि करावाएँ।

सप्ताह-22				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 'अब बतलाओ' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-98 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-31 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 'अब बतलाओ' पर कार्य (हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, समझ आधारित चर्चा, प्रश्न और अभ्यास 7-8 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-99 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-31 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 'अब बतलाओ' पर कार्य कार्य (मार्गदर्शन पठन, प्रश्न और अभ्यास 1 से 6 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-100 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-32 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-20 'अब बतलाओ' पर कार्य: 'हाय री किस्मत' का मार्गदर्शन पठन और अभ्यास पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-101 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-32 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • अभिनय पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-102 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • सृजनात्मक कार्य	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन)	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
		सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		

सप्ताह-23				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-21 'मैत्रीबाग' पर मौखिक कार्य (बच्चों की छत्तीसगढ़ी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-103 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-33 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-21 'मैत्रीबाग' पर कार्य (हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, समझ आधारित चर्चा, 'प्रश्न और अभ्यास' की गतिविधि पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-104 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-33 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-21 'मैत्रीबाग' पर कार्य (भाषा और अध्ययन के 'बोध प्रश्न' 1 और 2, 'भाषा तत्व और व्याकरण' 1 और 2 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-105 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-34 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-21 'मैत्रीबाग' पर कार्य: 'भाषा तत्व और व्याकरण' अभ्यास प्रश्न 3 से 5 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-106 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-34 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • अनुभव पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-107 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • मौखिक खेल गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-24				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-22 'क्या तुम मेरी अम्मा हो' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-108 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-35 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-22 'क्या तुम मेरी अम्मा हो' पर कार्य (हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, समझ आधारित चर्चा, अभ्यास प्रश्न 8 से 10 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-109 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-35 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-22 'क्या तुम मेरी अम्मा हो' पर कार्य (मार्गदर्शन पठन, अभ्यास प्रश्न 1 से 7 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-110 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-36 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-22 'क्या तुम मेरी अम्मा हो' का स्वतंत्र पठन, 'भाषा अध्ययन और व्याकरण' प्रश्न 1 से 4 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-111 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठन: पाठ-36 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • अभिनय पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्य: पाठ-112 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • सृजनात्मक कार्य	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठन: अभ्यास पुस्तिका के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-25				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-23 'कविता का कमाल' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्यः पाठ-113 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठनः पाठ-37 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-23 'कविता का कमाल' पर कार्य (हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, समझ आधारित चर्चा, 'प्रश्न और अभ्यास' 7 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्यः पाठ-114 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठनः पाठ-37 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-23 'कविता का कमाल' पर कार्य ('प्रश्न और अभ्यास' 1 से 6 पर कार्य)	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्यः पाठ-115 - शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाना - बच्चों द्वारा मार्गदर्शन पठन	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठनः पाठ-38 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-23 'कविता का कमाल' पर कार्यः 'भाषा अध्ययन और व्याकरण' के प्रश्न 1 से 4 पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्यः पाठ-116 - पाठ आधारित लेखन अभ्यास	• अभ्यास पुस्तिका से प्रवाहपूर्ण पठनः पाठ-38 पर कार्य	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • अनुभव पर कार्य	• अभ्यास पुस्तिका पर कार्यः पाठ-117 (साप्ताहिक पुनरावृत्ति)	• स्वतंत्र पठनः अभ्यास पुस्तिका के पाठ से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • मौखिक खेल गतिविधि	• मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य	• समूह-2 के बच्चों द्वारा स्वतंत्र पठनः अभ्यास पुस्तिका के पाठ एवं पुस्तकालय की किताबों से	☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

सप्ताह-26				
दिन	पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन 30-35 मिनट	अभ्यास पुस्तिका/ डिकोडिंग एवं संबंधित लेखन 35-40 मिनट	पठन 10-15 मिनट	ट्रैकर
1	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-24 'बालसभा' पर मौखिक कार्य (बच्चों की भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा, शब्दार्थ)	पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
2	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-24 'बालसभा' पर कार्य (हिंदी भाषा में पाठ पढ़कर सुनाना, समझ आधारित चर्चा, 'पुनरावृत्ति संख्या' 1 पर कार्य)	पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
3	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-24 'बालसभा' पर कार्य: पुनरावृत्ति प्रश्न 2 और 3 पर कार्य	पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
4	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • पाठ्यपुस्तक के पाठ-24 'बालसभा' पर कार्य: पुनरावृत्ति प्रश्न 4 पर कार्य	पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
5	• कविता/बालगीत • अभिनय पर कार्य	पुनरावृत्ति व उपचारात्मक कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy
6	• कविता/बालगीत/अन्य गतिविधि • सृजनात्मक कार्य	मैंने सीख लिया (साप्ताहिक आकलन) सीखने में पीछे छूट रहे बच्चों के साथ योजनाबद्ध तरीके से समूह में कार्य		☐ हस्ताक्षर ---------------- dd/mm/yyyy

• इस सप्ताह में अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठों पर अभ्यास कार्य करवाएँ।

12. कक्षा-3 की गतिविधियों पर कैसे कार्य करें?

इस संदर्शिका में साप्ताहिक और दिवसवार योजना की गतिविधियों का विस्तृत विवरण है, जिसे इस प्रकार रखा गया है-

मौखिक भाषा विकास और संबंधित लेखन की गतिविधियाँ	पृष्ठ 45 से 54
डिकोडिंग और संबंधित लेखन की गतिविधियाँ	पृष्ठ 55
पठन गतिविधियाँ	पृष्ठ 56 से 58

गतिविधियों को कक्षा में प्रभावी रूप से करवाने के लिए निम्न बातों का ध्यान रखें-

- प्रत्येक गतिविधि करवाने के लिए मुख्य चरण दिए गए हैं। शिक्षक कक्षा में गतिविधि करवाने के इन चरणों को पढ़कर समझ लें। आप इसको आधार बनाकर अपनी नई शिक्षण योजना भी तैयार कर सकते हैं।
- शिक्षक दिवसवार योजना को ध्यानपूर्वक पढ़कर समझ लें तथा जिस गतिविधि को आपने कक्षा में करवाना है, उस गतिविधि के लिए दी गई शिक्षण योजना एवं गतिविधियों के चरणों को समझते हुए आवश्यक पूर्व तैयारी कर लें।
- किसी गतिविधि को नए विषयवस्तु के साथ कक्षा में करने के लिए मुख्य चरण दिए गए हैं। इन चरणों को आधार बनाकर आप इस गतिविधि को आगे कक्षा में करवाएँ।
- शिक्षण योजना में गतिविधि/दिवस के लिए एक अधिगम उद्देश्य निर्धारित है।
- गतिविधियों को करवाते समय तथा करवाने के बाद अनौपचारिक आकलन के द्वारा बच्चों के सीखने की स्थिति जाँचें और अपनी शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा करें। समय-समय पर समीक्षा के आधार पर शिक्षण प्रक्रिया में आवश्यक बदलाव करें।
- शिक्षक स्वयं भी अलग-अलग विषयवस्तु और दक्षताओं के लिए शिक्षण योजना का निर्माण करके लागू कर सकते हैं। शिक्षक अपनी शिक्षण योजना बनाने के लिए दिए गए शिक्षण योजना के उदाहरणों को आधार बना सकते हैं।

12.1 पाठ्यपुस्तक/मौखिक भाषा विकास एवं संबंधित लेखन की गतिविधियाँ

मौखिक भाषा विकास

1 से 6 सप्ताह (30 से 35 मिनट)

- कविताएँ गाना (प्रतिदिन)
- पाठ्यपुस्तक पर कार्य (4 दिन)

- चित्र पर कार्य/ कहानी सुनाना/ अभिनय
- सृजनात्मक कार्य
- मौखिक खेल गतिविधियाँ

7 से 26 सप्ताह (30 से 35 मिनट)

- कविताएँ गाना (प्रतिदिन)
- पाठ्यपुस्तक पर कार्य (4 दिन)

- अनुभव/घटना पर लेखन कार्य/अभिनय
- सृजनात्मक कार्य
- मौखिक खेल गतिविधियाँ

योजना अनुसार इनमें से कोई 1 गतिविधि पाँचवे-छठे दिन

12.1.1 कविता पर कार्य

सामग्री: तरिया के दरपन, कविता पोस्टर, पाठ्यपुस्तक, अन्य स्रोत

5-7 मिनट

इस गतिविधि के लिए पाठ्यपुस्तक, कविता पोस्टर, तरिया के दरपन इत्यादि से कोई भी कविता ली जा सकती है। आप स्थानीय कविताओं को भी शामिल करें। प्रतिदिन एक कविता पर कार्य करें। शुरुआत के दिनों में छोटी-छोटी कविताओं का चयन करें। कविताओं पर कार्य करने के लिए नीचे दिए गए क्रम के आधार पर कार्य करें-

- शिक्षक पहले बच्चों को कविता लय के साथ गाकर सुनाएँ।
- शिक्षक कविता गाएँ व बच्चों को साथ में दोहराने के लिए कहें।
- ऐसा 2-3 बार करें, ताकि बच्चे कविता की लय और शब्दों को अच्छे से पकड़ पाएँ।
- सुनाई गई कविता के विषय से जुड़ी कोई और कविता को याद दिलाएँ और उन्हें सुनाने को कहें। अगर कोई ऐसी कविता नहीं है तो पिछली सुनी हुई कविता उनसे सुनें।

12.1.2 पाठ्यपुस्तक के पाठों पर कार्य

सामग्री: पाठ्यपुस्तक

20-25 मिनट

कक्षा-3 के पाठ्यपुस्तक के पाठों पर व्यवस्थित तरीके से कार्य की रणनीति है। प्रत्येक पाठ पर चार दिन तक कार्य किया जाएगा। इस दौरान बच्चों को पाठ पढ़कर सुनाने, खुद पढ़ने, उस पर समझ बढ़ाने, उच्चस्तरीय मौखिक कार्य (जैसे तर्क करना, कल्पना करना, राय बनाना, इत्यादि) और पाठ से जुड़े लेखन के मौके दिए जाएँगे। पाठ्यपुस्तक के पाठों को उनकी प्रकृति और बच्चों के पठन स्तर को ध्यान में रखते हुए दो तरह की शिक्षण रणनीतियाँ अपनाई गई हैं:

पहली रणनीति: उन पाठों के लिए जो सरल हैं और कक्षा-3 के बच्चों के पठन स्तर के अनुसार उपयुक्त हैं। इन पाठों पर बच्चों से पढ़ने की अपेक्षा है और बच्चे इन्हें शिक्षक की मदद से पढ़ेंगे।

दूसरी रणनीति: उन पाठों के लिए जो थोड़े बड़े हैं और बच्चों के पठन स्तर के मुकाबले थोड़े जटिल हैं। इन पाठों पर शिक्षक मुख्यत: मौखिक कार्य करवाएँगे।

इन दोनों तरह की रणनीतियों का विवरण और इनकी शिक्षण योजना नीचे दी गई हैं। प्रत्येक पाठ* पर चार दिन कार्य करने की योजना है:

पाठ्यपुस्तक के पाठ 1, 3, 5, 7, 9, 16, 20 और 22 पर कार्य योजना I

पाठ 1 : सीखो   पाठ 3 : मुसवा रइथे जी   पाठ 5 : मीठे बोल   पाठ 7 : चाँद का कुरता   पाठ 9 : आदिमानव
पाठ 16 : अगर पेड़ भी चलते होते   पाठ 20 : अब बतलाओ   पाठ 22 : क्या तुम मेरी अम्मा हो?

पहला दिन: पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा और शब्दार्थ पर कार्य (20-25 मिनट)

- पाठ का चित्र और शीर्षक दिखाकर चर्चा करें और पाठ के बारे में अनुमान लगवाएँ।
- पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। अगर कविता है तो उसे लय और हाव-भाव के साथ गाएँ।
- पाठ सुनाने के दौरान बीच-बीच में प्रश्न पूछकर पता कर लें कि बच्चे कहानी सुनकर समझ रहे हैं या नहीं।
- पाठ के बाद समझ के लिए बच्चों से हिंदी और बच्चों की भाषा में सामान्य चर्चा करें। बच्चों से खुले छोर वाले प्रश्न पूछें।
- पाठ के बाद दिए गए शब्दार्थ पर कार्य करवाएँ। (शब्दों के अर्थ और उनके प्रयोग पर कार्य)

दूसरा दिन: मार्गदर्शन में पठन और पाठ के अभ्यास पर कार्य (20-25 मिनट)

- पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। बच्चों से समझ आधारित चर्चा करें।
- बच्चों को जोड़ियों/समूह में पाठ पढ़ने के लिए कहें और आवश्यकतानुसार बच्चों की मदद करें। (मार्गदर्शन में पठन के लिए निर्धारित चरणों का अनुसरण करें।)
- बच्चों से पाठ के अभ्यास पर कार्य करवाएँ। (चयनित प्रश्न/गतिविधियाँ)

तीसरा दिन: मार्गदर्शन में पठन और पाठ के अभ्यास पर कार्य (20-25 मिनट)

- शिक्षक एक बार पुन: पाठ पढ़ें।
- बच्चों को जोड़ियों/समूह में पाठ पढ़ने के लिए कहें और आवश्यकतानुसार बच्चों की मदद करें। (मार्गदर्शन में पठन के लिए निर्धारित चरणों का अनुसरण करें।)
- बच्चों से पाठ के अभ्यास पर कार्य करवाएँ। (चयनित प्रश्न/गतिविधियाँ)

चौथा दिन: स्वतंत्र पठन और पाठ के अभ्यास पर कार्य

- बच्चों से पाठ का स्वतंत्र पठन करवाएँ और आवश्यकतानुसार उनकी मदद करें।
- बच्चों से पाठ के अभ्यास पर कार्य करवाएँ। (चयनित प्रश्न/गतिविधियाँ)

नोट: शिक्षक पाठ की प्रकृति के अनुसार अपनी योजना में बदलाव कर सकते हैं। कुछ पाठों को बच्चों के स्तर को ध्यान में रखते हुए 3 हिस्सों में पढ़ने का अभ्यास रखा गया है।

पाठ्यपुस्तक के पाठ 2, 4, 6, 8, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 17, 18, 19, 21, 23 और 24 पर कार्य योजना II

पाठ 2 : सच्चा बालक	पाठ 4 : बंदर बाँट	पाठ 6 : कबूतर और मधुमक्खियाँ	पाठ 8 : चलव खेल खेलबो
पाठ 10 : चुहिया की शादी	पाठ 11 : दादा जी	पाठ 12 : हाथी	पाठ 13 : होनहार लइका नरेन्द्र
पाठ 14 : कौन जीता	पाठ 15 : मैं हूँ महानदी	पाठ 17 : सतवन्तिन गाय बहुला	पाठ 18 : जंगल में स्कूल
पाठ 19 : तेल का गिलास	पाठ 21 : मैत्रीबाग	पाठ 23 : कविता का कमाल	पाठ 24 : बालसभा

पहला दिन: पाठ पढ़कर सुनाना, सामान्य चर्चा और शब्दार्थ पर कार्य

20–25 मिनट

- पाठ का चित्र और शीर्षक दिखाकर चर्चा करें और पाठ के बारे में अनुमान लगवाएँ।
- पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। अगर कविता है तो उसे लय और हाव-भाव के साथ गाएँ।
- पाठ सुनाने के दौरान बीच-बीच में प्रश्न पूछकर पता कर लें कि बच्चे कहानी सुनकर समझ रहे हैं या नहीं।
- पाठ के बाद समझ के लिए बच्चों से हिंदी और बच्चों की भाषा में सामान्य चर्चा करें। बच्चों से खुले छोर वाले प्रश्न पूछें।
- पाठ के बाद दिए गए शब्दार्थ पर कार्य करवाएँ। (शब्दों के अर्थ और उनके प्रयोग पर कार्य)

दूसरा दिन: मौखिक समझ और पाठ के अभ्यास पर कार्य

20–25 मिनट

- पाठ को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।
- पाठ के बाद बच्चों से समझ आधारित चर्चा करें। बच्चों से खुले छोर वाले प्रश्न पूछें।
- बच्चों से पाठ के अभ्यास पर कार्य करवाएँ। (चयनित प्रश्न/गतिविधियाँ)

तीसरा दिन: मौखिक समझ और पाठ के अभ्यास पर कार्य

20–25 मिनट

- 3-4 बच्चों को कहानी अपने शब्दों में सुनाने को कहें।
- बच्चों से पाठ के अभ्यास पर कार्य करवाएँ। (चयनित प्रश्न/गतिविधियाँ)

चौथा दिन: मौखिक समझ और पाठ के अभ्यास पर कार्य

- बच्चों से पाठ पर समझ आधारित गतिविधि करवाएँ। (जैसे- अभिनय करवाना, कहानी के मुख्य भाग को पहचानना, कहानी का अंत बदलना, कहानी में नए पात्रों को जोड़कर नई कहानी बनाना, इत्यादि।)
- बच्चों से पाठ के अभ्यास पर कार्य करवाएँ। (चयनित प्रश्न/गतिविधियाँ)

नोट: शिक्षक पाठ की प्रकृति के अनुसार अपनी योजना में बदलाव कर सकते हैं।

12.1.3 सृजनात्मक कार्य एवं मौखिक खेल गतिविधियाँ

सृजनात्मक कार्य एवं मौखिक खेल गतिविधियों के अंतर्गत निम्नलिखित कार्य किए जाएँगे–

सृजनात्मक कार्य एवं मौखिक खेल गतिविधियाँ

I. सृजनात्मक कार्य गतिविधियाँ

1. सवाल बनाओ
2. सुनो और पता लगाओ
3. स्कूल के अंदर : खेल
4. पहेली बनाओ
5. मनमोहक वाक्य और चित्र के साथ विज्ञापन बनाना
6. स्कूल के बाहर : सफर
7. सर्वेक्षण (स्कूल से बाहर) : टीवी देखना

योजना अनुसार इनमें से कोई 1 गतिविधि छठे दिन

II. मौखिक खेल गतिविधियाँ

1. करके दिखाओ
2. मैं कौन हूँ
3. अजीब कहानी हमने बनाई
4. क्या हो अगर
5. महसूस करें
6. अभिनय करो और पहचानो
7. आलसी बिल्ली

सृजनात्मक कार्य

सामग्री: चार्ट पेपर, पेंसिल, रंग, कैंची आदि।

समय
20–25 मिनट

ऐसी गतिविधियाँ बच्चों को सोचने, अपने अनुभवों को साझा करने, आपस में तर्क करने, नई रचना करने, विश्लेषण करने, निष्कर्ष निकालने और समस्या का हल निकालने जैसे उच्च स्तरीय कौशलों को विकसित करने के मौके उपलब्ध कराएँगी।

I. सृजनात्मक कार्य की गतिविधियाँ

1. सवाल बनाओ

कहानी की किताबें

20 मिनट

- पूरी कक्षा को 4 से 5 समूहों में बाँट दें। प्रत्येक समूह को कहानी की किताब दें। अब हर समूह को इस कहानी पर चर्चा करने को कहें और कहानी से संबंधित 4–5 सवाल बनाने को कहें। इसके लिए उन्हें 10 मिनट का समय दें। समय समाप्त होने के बाद हर समूह से उनके द्वारा बनाए गए प्रश्नों को सुनें।
- आप इस बात का ख्याल रखें कि प्रत्येक समूह के सभी सदस्य सवाल बनाने की प्रक्रिया में सम्मिलित हों और समूह का हर सदस्य एक सवाल पूछे।

2. सुनो और पता लगाओ

हर समूह के लिए शब्दों की गड्डी। कोशिश कीजिए कि हर समूह को अलग-अलग शब्द मिलें। 20 मिनट

- बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें। हर एक समूह के बीच 10-12 शब्द और उनकी विशेषता, जैसे- उपयोगिता, रंग, रूप आदि के बारे में 3 बातें लिखकर पर्ची की गड्डी रख दें।
- समूह के सारे बच्चे बारी-बारी से 2-2 पर्चे उठाएँ और बिना देखे अपने पास रख लें।
- कोई भी बच्चा अपने समूह में शुरुआत कर सकता है। वह अपने पर्चे को बिना देखे अपने दाईं तरफ के बच्चे को देगा। यह बच्चा उस पर्ची में लिखे शब्द को मन में पढ़ेगा और उसके बारे में लिखी हुई बातों को बोलकर अपने मित्र को दिए गए शब्द को पहचानने को कहेगा।
- 3 बार शब्द नहीं पहचान पाने पर दूसरे बच्चे द्वारा उत्तर बताया जाएगा। इसी तरह यह खेल आगे बढ़ेगा। इस खेल के दो राउंड होंगे और हर प्रतिभागी को 2 मौके मिलेंगे।

3. स्कूल के अंदर : खेल

प्रश्न पत्र का नमूना और प्रश्न पत्र। 20 मिनट

- पहले दिन: सर्वेक्षण का नमूना दिखाना व उस पर बात करना।
- दूसरे दिन: प्रस्तुतिकरण के लिए मुख्य बिंदु पर बात करना, लिखना और प्रस्तुत करना।
- कक्षा को 3-5 समूहों में बाँटें और प्रत्येक समूह को सर्वेक्षण पत्र दें, जिसमें 2 सवाल लिखे होंगे। बच्चों को कक्षा तीसरी और चौथी के बच्चों से पूछकर इस पत्र को भरकर लाने को कहें।

प्रश्न 1: क्या आप स्कूल से जाने के बाद खेल खेलते हैं? (हाँ/नहीं)

प्रश्न 2: आपको कौन-सा खेल पसंद है? (खेल का नाम)

नाम	प्रश्न 1		प्रश्न 2
	हाँ	नहीं	खेल का नाम
कुल			

4. पहेली बनाओ

हर समूह के लिए एक पेपर और लेखन सामग्री 20 मिनट

- शिक्षक सबसे पहले 3-4 सरल एवं परिवेशीय उदाहरण देकर बच्चों को समझाएँ कि पहेली कैसी होती है।
- फिर बच्चों को 5 छोटे समूहों में बाँटें। हर समूह को 4 पर्चे दें और उनमें से किसी दो पर बच्चों को पहेली बनाने को कहें। पहेली के लिए शब्द सरल एवं उनके परिवेश से होने चाहिए।
- प्रस्तुति में हर एक समूह दूसरे समूहों से अपनी 2 पहेलियों को पूछेंगे और सही जवाब नहीं आने पर उनके उत्तर दूसरों के साथ साझा करेंगे।
- गतिविधि समाप्त होने के बाद समूह कार्य के पेपर को कक्षा के 'बच्चों के काम का कोना' (Students Work Corner) में लगा दें।

5. मनमोहक वाक्य और चित्र के साथ विज्ञापन बनाना

20 मिनट

एक मज़बूत पेपर की शीट, रंग और लिखने के लिए सामान, बच्चों को दिखाने के लिए कुछ विज्ञापन (अखबार, पैम्फलेट आदि के नमूना), अलग-अलग चीज़ों का आवरण (wrapper), जैसे- बिस्कुट, नमकीन, खिलौना, पेंसिल, कॉपी आदि।

- किसी एक विज्ञापन का उदाहरण दें और उसे बोर्ड पर बच्चों के सामने बनाएँ। विज्ञापन में पंच लाइन जोड़कर विज्ञापन बनाएँ। उदाहरण में दिया गया है- 'जो भी खाए खाता जाए, सबसे सस्ता सबसे मीठा।' यह एक पंच लाइन है। आप किसी विषय पर 2-3 विज्ञापन एवं पंच लाइन का उदाहरण दें। इससे बच्चों को पंच लाइन एवं विज्ञापन क्या होता है, इसे समझने में मदद मिलेगी।
- पंच लाइन पर चर्चा करें और मौखिक रूप से बच्चों से अलग-अलग चीज़ों के लिए इसे बनवाने का प्रयास करें। आप बच्चों को विभिन्न विषय बताएँ, जिन पर विज्ञापन बनाए जा सकते हैं।
- इस कार्य के लिए पूरी कक्षा को 4-4 बच्चों के समूहों में बाँटें और अपने-अपने समूह का विज्ञापन बनाने को कहें। आप हर समूह को एक निर्धारित विषय/चीज़ दे दें। जैसे- नमकीन, खिलौना, पेंसिल, कॉपी आदि। हर समूह को पंच लाइन लिखना आवश्यक है। इस कार्य के लिए 10 मिनट दें और आखिर के 5 मिनट में हर समूह को उनके द्वारा बनाए गए पंच लाइन कक्षा में साझा करने को कहें।

- सभी बच्चों के विज्ञापन को 'बच्चों का कोना' में लगाएँ। यदि यह गतिविधि एक दिन में पूरी नहीं होती है तो दूसरे दिन भी इसी पर कार्य कराया जा सकता है।

6. स्कूल के बाहर : सफर

प्रश्न पत्र का नमूना और प्रश्न पत्र।

20 मिनट

- निर्देश: शिक्षक कक्षा को 3-5 समूहों में बाँटें और प्रत्येक समूह को एक सर्वेक्षण पत्र दें, जिसमें 2 सवाल लिखे होंगे। बच्चों को अपने घर के आस-पास के 10 लोगों से पूछकर इस पत्र को भरकर लाना होगा।

प्रश्न 1: क्या आप ट्रेन या बस में सफर करते हैं? (हाँ/नहीं)
प्रश्न 2: आपको ट्रेन या बस में से किसका सफर अच्छा लगता है? (बस / ट्रेन)

नाम	प्रश्न 1		प्रश्न 2
	हाँ	नहीं	(बस / ट्रेन)
कुल			

7. सर्वेक्षण (स्कूल से बाहर) : टीवी देखना

प्रश्न पत्र का नमूना और प्रश्न पत्र। 20 मिनट

- पहले दिन: सर्वेक्षण का नमूना दिखाना व उस पर बात करना।
- दूसरा दिन: प्रस्तुतिकरण
- कक्षा को 4 समूहों में बाँटें और प्रत्येक बच्चे को एक सर्वेक्षण पत्र दें, जिसमें 2 सवाल लिखे होंगे। बच्चों को अपने घर के आस-पास के लोगों से पूछकर इस पत्र को भरकर लाना होगा। सर्वेक्षण पत्र: इसके पहले दिए गए 2 सर्वेक्षण पत्रों के आधार पर एक सर्वेक्षण पत्र बनाएँ एवं निम्नलिखित बिंदुओं को शामिल करें:

प्रश्न 1: क्या आपको टीवी देखना पसंद है? (हाँ/नहीं)
प्रश्न 2: आप टीवी में क्या देखना पसंद करते हैं?

नाम	प्रश्न 1		प्रश्न 2
	हाँ	नहीं	टीवी में जो देखना पसंद है
कुल			

शिक्षक इन गतिविधियों में से कुछ गतिविधियाँ बस्ता रहित दिवस में भी कराएँ।

II. मौखिक खेल गतिविधियाँ

सामग्री: गतिविधियों के अनुसार अलग-अलग सामग्री 15-20 मिनट

हर एक सप्ताह छोड़कर अगले सप्ताह में मौखिक खेल गतिविधियों पर कार्य किया जाएगा।

सामान्य चर्चा के लिए निम्नलिखित चरणों* का अनुसरण करें:

- शिक्षक पहले किसी एक विषय का चयन करें। ये विषय बच्चों के स्तर एवं परिवेश वाले हों।
- चयनित विषय पर बच्चों के साथ थोड़ी बातचीत करके उनके पूर्वज्ञान को सक्रिय करें।
- शिक्षक विषय से संबंधित अपने अनुभव बच्चों के साथ साझा करें।
- इसके बाद प्रत्येक बच्चे को अपने अनुभव सुनाने का अवसर दें। अगर कक्षा में ज़्यादा बच्चे हों तो कोशिश करें कि प्रत्येक सप्ताह में सभी बच्चों को अपने अनुभव साझा करने मौका एक बार ज़रूर मिले।

*वैसे तो प्रत्येक गतिविधि की प्रकृति अलग-अलग हो सकती है, फिर भी ये कुछ सामान्य चरण हैं, जिन्हें बातचीत के दौरान काम में लें।

1. करके दिखाओ

10-15 मिनट

इस खेल में बच्चे अलग-अलग तरह की विधा, शैली एवं चीज़ों से संबंधित कुछ वाक्य बोलने का प्रयास करते हैं।

सामग्रीः कागज़ की गेंद, लिखी हुई कुछ पर्चियाँ

- विभिन्न विषयों से संबंधित पर्चियाँ बना लें, जैसे- कविता सुनाना, कहानी सुनाना, गाना गाना, जानवर की आवाज़ निकालना, चुटकुला सुनाना आदि।
- बच्चों के साथ गोल घेरे में बैठें। पर्चियों को अपने सामने रखें और किसी एक बच्चे को कागज़ की बनाई गई गेंद दें। अब ताली बजाएँ और जब तक ताली बजेगी, बच्चे उस गेंद को क्रम से एक-दूसरे को देते जाएँ।
- ताली रुकते ही, जिस बच्चे के पास गेंद हो, वह रखी हुई पर्चियों में से एक पर्ची उठाये और उसे पढ़कर बताए। यदि बच्चा पढ़ नहीं सकता तो शिक्षक उसे पढ़कर सुना दें।
- बच्चा पर्ची में लिखे गए कार्य को करके दिखाए, जैसे- यदि पर्ची में 'कविता सुनाओ' लिखा गया हो तो बच्चा कविता सुनाए। इसी तरह फिर शिक्षक ताली बजाए और खेल को आगे बढ़ाए।

2. मैं कौन हूँ

10-15 मिनट

इस खेल में कुछ बच्चे चयनित वस्तुओं के बारे में विस्तार से बताने का प्रयास करते हैं और कुछ बच्चे उन विशेषताओं के आधार पर नाम का अंदाज़ा लगाते हैं।

सामग्रीः कुछ चित्र कार्ड

- सभी बच्चे 'यू' आकार में बैठें। शिक्षक चित्र कार्ड को उल्टा करके रख दें।
- कोई एक बच्चा आगे आए व एक चित्र कार्ड उठाकर देखे। ध्यान रहे, यह चित्र कार्ड बाकी बच्चे न देख पाएँ।
- अब चित्र कार्ड में बने जानवर/फल/वस्तु के बारे में उसे कुछ बताना है। उदाहरण के लिए, अगर आम का चित्र आया है तो वह बता सकता है- 'यह एक फल है, बहुत मीठा होता है, हम इसे गर्मियों के मौसम में खाते हैं' इत्यादि।
- यह सुनकर कक्षा के बाकी बच्चों को अंदाज़ा लगाना है कि उसके पास जो कार्ड है, वह किस चीज़ का है। (शुरुआत में शिक्षक बोल रहे बच्चे की मदद करें – 'अब इसके रंग के बारे में बताओ', 'इसका आकार कैसा है, वह बताओ', 'यह किस श्रेणी में आता है, वह बताओ – फल, जानवर, सब्ज़ी या पक्षी' आदि। एक बार बच्चे खेल समझ जाएँ तो शिक्षक मदद करना छोड़ दें।)

3. अजीब कहानी हमने बनाई

10 मिनट

इस खेल में बच्चे मिलकर मज़ेदार कहानी बनाने का प्रयास करते हैं।

सामग्री: कागज़ की गेंद

- शिक्षक अपने हाथ में कागज़ की एक गेंद रखें और कोई भी एक अनोखा वाक्य बोलें। यह वाक्य कहानी का पहला वाक्य होगा।
- इसके बाद शिक्षक किसी एक बच्चे की ओर गेंद फेंके। यह गेंद जिस बच्चे के पास जाए, वह उस वाक्य के साथ एक और मज़ेदार वाक्य जोड़े।
- फिर वह बच्चा गेंद को किसी दूसरे बच्चे की ओर फेंके। जिस बच्चे के पास गेंद जाए, वह कहानी में एक नया वाक्य जोड़े।
- इस प्रकार पूरी कहानी बनाएँ। यह कहानी 8–10 वाक्यों से अधिक लम्बी न हो।
- कहानी पूरी होने के बाद कुछ बच्चों से पूरी कहानी सुनें।
- अंत में, खुद भी कहानी को हाव-भाव के साथ सुनाएँ।

4. क्या हो अगर?

10–15 मिनट

इस खेल में बच्चे एक-दूसरे से काल्पनिक परिस्थितियों को लेकर सवाल-जवाब करने का प्रयास करते हैं।

सामग्री: कुछ नहीं।

- बच्चे आमने-सामने मुँह करके दो लाइन बनाकर खड़े हों।
- पहली लाइन से एक बच्चा अपने सामने वाले बच्चे को 'क्या हो अगर' से शुरू होती एक मज़ेदार काल्पनिक स्थिति दे। जैसे- क्या हो अगर मेरे पंख लग जाएँ, या क्या हो अगर कभी रात न हो, आदि।
- दूसरी लाइन में खड़े बच्चे को इसका जवाब देना होगा।
- फिर दूसरी लाइन से अगला बच्चा पहली लाइन के अगले बच्चे से एक सवाल पूछेगा, जिसका उसे जवाब देना होगा।
- इसी प्रकार खेल आगे बढ़ेगा।

5. महसूस करें

15–20 मिनट

बच्चों को अपने आस-पास की चीजों के प्रति जागरूक करना, उनके बारे में अपनी भावनाएँ व्यक्त करना।

बच्चे आराम से घेरे में बैठ जाएँ। कोई भी बच्चा परेशान या बेचैन ना हो।

- बच्चों से उनके आस-पास मौजूद तीन चीज़ों को छूने के लिए कहें। वे ऐसी तीन चीज़ों को छू सकते हैं, जो उनके एकदम पास मौजूद हैं। उन्हें किसी चीज़ को छूने के लिए उठकर जाने की ज़रूरत नहीं हो।
- उन्हें अपने हाथों में उन चीज़ों को महसूस करने के लिए कहें। उन्हें उस वस्तु की बाहरी सतह, खुरदरापन, आकार, वज़न पर ध्यान देने को कहें।
- उन्हें इस बारे में सोचने के लिए कहें कि उन्हें उन चीज़ों को हाथ में लेकर कैसा महसूस हुआ।
- उन्हें कुछ शब्दों में अपनी भावनाएँ व्यक्त करने को कहें।
- अब उन्हें धीरे-धीरे अपना ध्यान अपनी साँस पर केंद्रित करने को कहें। उन्हें नाक में हवा के आवागमन पर ध्यान देने को कहें। उन्हें अपने साँसों की लय पर ध्यान देने दें।

6. अभिनय करो और पहचानो

15-20 मिनट

कक्षा में बच्चों की अभिव्यक्ति के मौके देना

- सभी बच्चों को अपनी-अपनी जगह आराम से बैठने के लिए कहें।
  पूरी कक्षा को 4-5 समूहों में बाँट लें और गतिविधि के लिए कुछ क्रिया शब्द सोचकर रखें।

- बच्चों को (डम्ब शराड) 'अभिनय करो और पहचानो' के बारे में बताएँ।
- सभी समूहों को कहें कि उन्हें मिलकर ये तय करना है कि वे अभिनय के लिए अपनी तरफ से किस बच्चे को भेजेंगे।
- प्रत्येक समूह को अभिनय के लिए बारी-बारी से अपने सदस्यों को भेजने का अवसर दें।
- अभिनय करने वाले प्रत्येक बच्चे को एक शब्द दें। उस बच्चे को कोई आवाज़ निकाले बिना उस शब्द का अभिनय करके दिखाना होगा।
- उस बच्चे के समूह के सदस्यों को उस शब्द का अनुमान लगाना है। समूह को तभी मदद दें, जब वे अटक जाएँ।
- दूसरे समूहों को कहें कि वे शब्द का अनुमान लगाने में मदद न करें।
- अभिनय करने के लिए बच्चों को ये शब्द दें: पीने का पानी, दौड़ना, नाचना, गाना। आप चाहें तो अन्य शब्द भी बच्चों को दे सकते हैं।

7. आलसी बिल्ली

15-20 मिनट

बच्चों को स्कूल के प्रति अपनी भावनाओं के बारे में सोचने और उनको पहचानने में मदद देना

- इस बात पर ध्यान दें कि बच्चों के चलने-फिरने के लिए जगह पर्याप्त हो।
  इस बात का ख्याल रखें कि बच्चे अपनी-अपनी जगह आराम से खड़े हों। कोई भी बच्चा परेशान दिखाई न दे।

- बच्चों को निम्नलिखित निर्देश दें-
- उन्हें कहें कि वे आलसी बिल्ली का अभिनय करें- एक ऐसी बिल्ली, जो देर तक गहरी नींद में सोने के बाद उठकर अँगड़ाई ले रही है।
  - उन्हें लंबी उबासी लेने के लिए कहें।
  - म्याऊँ-म्याऊँ करने के लिए कहें।
  - अब उन्हें अपनी बाँह, टाँगें और पीठ फैलाकर सीधी करने के लिए कहें। उन्हें धीरे-धीरे, बिल्ली की तरह अपना शरीर फैलाना है। इसके बाद आराम से बैठ जाएँ।
- अब उन्हें तकरीबन 10 सेकंड तक हवा में तैरते एक पंख का अभिनय करना है।
  - इसके बाद उन्हें अचानक बिना हिले एक मूर्ति में बदल जाना है। उन्हें कहें कि इसके बाद वे बिल्कुल ना हिलें।
  - इसके बाद उन्हें दोबारा उड़ते पंख में आकर, जैसे आराम करते हैं, उस स्थिति में आने के लिए कहें।
  - प्रक्रिया को दोहराएँ और सुनिश्चित करें कि जब गतिविधि समाप्त हो तो बच्चे एक विश्रामपूर्ण अवस्था में उड़ते पंख की स्थिति में हों।
- बच्चों के मार्गदर्शन के लिए उनके साथ-साथ यह गतिविधि करते जाएँ।

12.2 अभ्यास पुस्तिका के पाठों पर पठन-लेखन कार्य

पाठ आधारित पठन-लेखन (35-40 मिनट)

अभ्यास पुस्तिका में प्रत्येक पाठ पर दो दिन तक कार्य किया जायेगा। इस दौरान बच्चे पाठ को पढ़ने, उच्चस्तरीय मौखिक कार्य (जैसे- तर्क करना, कल्पना करना, राय बनाना, इत्यादि कार्य) और उससे संबंधित समझ आधारित लेखन के मौके दिए जाएँगे। प्रत्येक पाठ पर कार्य करने की दो दिन की योजना निम्न प्रकार है:

पहला दिन: शिक्षक द्वारा पाठ पढ़कर सुनाना और अभ्यास — 40-45 मिनट

- पाठ का चित्र और शीर्षक दिखाकर चर्चा करें और पाठ के बारे में अनुमान लगवाएँ।
- पाठ को उचित उतार-चढ़ाव के साथ पढ़कर सुनाएँ। अगर कविता है तो उसे लय और हाव-भाव के साथ गाएँ।
- बच्चों को भी साथ में पाठ पर अँगुली रखकर देखने को कहें।
- पाठ सुनाने के दौरान बीच-बीच में प्रश्न पूछकर पता कर लें कि बच्चे कहानी सुनकर समझ रहे हैं या नहीं।
- पाठ के बाद बच्चों से समझ आधारित चर्चा करें। बच्चों से खुले छोर वाले प्रश्न पूछें।
- सभी बच्चों को जोड़ी में बाँट दें और उन्हें पाठ को जोड़ियों में पढ़ने के लिए कहें। शिक्षक अलग-अलग जोड़ियों में जाकर आवश्यकतानुसार बच्चों की पढ़ने में मदद करें।
- कक्षा से किन्हीं 2-3 बच्चों से कक्षा के सामने पाठ को पढ़ने के लिए कहें।

दूसरा दिन: पाठ पढ़कर सुनाना और पाठ से संबंधित लेखन कार्य — 40-45 मिनट

- पिछले दिन पढ़ाए गए पाठ को एक बार आदर्श तरीके से पढ़कर सुनाएँ।
- बच्चों को दो-दो की जोड़ियों में बाँट दें या उन्हें पाठ स्वतंत्र रूप से पढ़ने के लिए कहें। जिन बच्चों को आवश्यकता है उनकी पाठ पढ़ने में मदद करें।
- फिर अभ्यास पुस्तिका में दी गई गतिविधियों पर चर्चा करें और लेखन कार्य करने को कहें।
- अंत में, बच्चों के लेखन कार्य पर अपनी राय दें और उन्हें प्रोत्साहित करें।

नोट- पिछले सप्ताह तक सीखे गए स्तर के अनुसार सरल शब्दों/वाक्यों का श्रुतलेख के लिए चयन करें। जब बच्चे अपनी नोटबुक के साथ तैयार हों तो शिक्षक पहला शब्द/वाक्य बोलें। बच्चों को इसे दोहराने को कहें। इससे ये पता चल जाएगा कि बच्चों ने सही सुना है या नहीं। अब बच्चों को लिखने को कहें, फिर इसे कम से कम तीन बार बोलें। दूसरे और तीसरे शब्द/वाक्य के साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएँ। फिर शिक्षक बच्चों के लेखन की जाँच करें और सुधार के लिए अपनी राय दें।

12.3 पठन अभ्यास

प्रवाहपूर्ण पठन (15–20 मिनट)

- **1–10 सप्ताह**
  - जोड़ों में पठन अभ्यास
  - कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन
- **11–26 सप्ताह**
  - प्रवाहपूर्ण पठन आकलन
  - कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन

- बच्चों को जोड़ों में बाँटें और चयनित पाठ/शब्द पढ़ने को कहें।
- 3–4 बच्चों को अपने पास बुलाकर शब्द पढ़ने के लिए कहें।
- अंत में, पाठ पर एक बार बच्चों से शब्द स्वतंत्र रूप से पढ़ने दें और चर्चा करें।

12.3.2 प्रवाहपूर्ण पठन और आकलन

सामग्री: अभ्यास पुस्तिका

15–20 मिनट

कक्षा–3 में बच्चों के पठन अभ्यास के लिए अभ्यास पुस्तिका के भाग–2 में छोटे और सरल पाठ दिए गए हैं। इन पाठों पर प्रवाहपूर्ण पठन का कार्य किया जाना है। इसकी प्रक्रिया नीचे दी गई है–

- बच्चों को जोड़ों में या व्यक्तिगत रूप से पाठ को पढ़ने के लिए कहें।
- शिक्षक आकलन* के लिए अपने पास मोबाइल, पेंसिल और अभ्यास पुस्तिका की किताब रख लें। मोबाइल में 1 मिनट का टाइमर लगा लें।
- एक बच्चे को अपने पास बुलाएँ और उसे अपनी किताब से पाठ पढ़ने को कहें। पढ़ने के दौरान आप उसके प्रवाहपूर्ण पठन का आकलन करें।
- फिर आकलन के अंक शिक्षक संदर्शिका के पृष्ठ 71–72 पर नोट करें।
- प्रवाहपूर्ण पठन अभ्यास के लिए प्रतिदिन यह प्रक्रिया 4–5 बच्चों से करवाएँ।

प्रवाहपूर्ण पठन के आकलन का तरीका

आकलन के लिए अपने पास मोबाइल, पेंसिल और अभ्यास पुस्तिका की एक प्रति रख लें। मोबाइल में 1 मिनट का टाइमर लगा लें।

एक बच्चे को अपने पास बुलाएँ और उसे अपनी प्रति से उस दिन का पाठ पढ़ने को कहें।

बच्चे की अभ्यास पुस्तिका अपने पास रख लें क्योंकि उसी में आपको रिकॉर्ड करना है।

बच्चा जैसे ही पढ़ने लगता है, आप उसके सही और गलत पढ़े गए शब्दों को गौर से सुनें।

जब बच्चा किसी शब्द को गलत पढ़ता है तो उस शब्द के नीचे लाइन खींच दें। अगर उसी शब्द को वह सही पढ़ लेता है तो उसे फिर छोड़ दें।

जब एक मिनट हो जाए तो अंतिम पढ़े गए शब्द पर ‘]’ का निशान लगा दें। अब इस निशान तक सही पढ़े गए शब्दों को सुनकर ‘सही पढ़े गए शब्दों की संख्या’ वाले बॉक्स में लिखें।

साथ ही, बच्चों के स्तर के लिए किसी एक बॉक्स में निम्नलिखित मापदंड के अनुसार सही (✓) का निशान लगाएँ।

स्तर 1	नहीं पढ़ पाया या अधिकतम 5 शब्द पढ़ता हो।
स्तर 2	वर्ण/अक्षरों को जोड़-जोड़कर शब्द पढ़ता हो।
स्तर 3	शब्द-दर-शब्द पढ़ रहा हो, वाक्य पर ध्यान नहीं है।
स्तर 4	वाक्य को वाक्य की तरह पढ़ रहा हो।

उस बच्चे के आकलन की जानकारी शिक्षक संदर्शिका के पृष्ठ 71-72 पर दी गई तालिका में भरें।

फिर अन्य बच्चों को बुलाएँ। उनके साथ भी यही प्रक्रिया दोहराएँ।

ध्यान रखने योग्य बातें:

- यहाँ यह ध्यान रखना ज़रूरी है कि इस प्रक्रिया में बच्चों को हतोत्साहित ना होना पड़े। इसलिए सभी बच्चों के लिए सामान्य प्रोत्साहन वाले वाक्य या शब्द ही इस्तेमाल करें।
- जो बच्चे प्रवाहपूर्ण पठन में आगे हैं, ज़रूरी नहीं है कि उन बच्चों की विशेष तारीफ हो। बच्चे सीखने की प्रक्रिया में अलग-अलग स्तर पर हो सकते हैं, मगर यह उपलब्धि का आखिरी पड़ाव नहीं है। प्रवाहपूर्ण पठन में पढ़ने के अभ्यास का बहुत महत्त्व है। भरपूर अभ्यास से बच्चों के स्तर में वृद्धि की जा सकती है।
- जो बच्चे प्रवाहपूर्ण पठन में पीछे हैं, यानी प्रति मिनट उनके द्वारा सही पढ़े गए शब्दों की संख्या कम है, तो शिक्षक उन बच्चों के पढ़ने के दौरान हो रही गलतियों की प्रकृति पर गौर करें। आप पठन अभ्यास के दौरान इन गलतियों के बारे में बात कर उन्हें सही पढ़ने के मौके दे सकते हैं। अगर एक समय में बच्चों को किसी एक प्रकार की गलती पर ध्यान आकर्षित कराया जाए तो वे बहुत जल्दी से उसे सुधारने लगते हैं।

12.3.4 कहानी की किताबों से स्वतंत्र पठन

सामग्री: कहानी की किताबें (अगर कहानी की किताबें उपलब्ध नहीं हैं तो अभ्यास पुस्तिका के पाठ को उपयोग में लें)

15–20 मिनट

शिक्षक इस गतिविधि के निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करें:

बच्चों को अपनी पसंद की पुस्तकालय की कहानी की किताब/अभ्यास पुस्तिका से पाठ चुनने को कहें और उन्हें खुद से पढ़ने को कहें। इसके लिए 10–12 मिनट का समय दें।

बच्चे अपने साथी के साथ या स्वतंत्र पढ़ें।

फिर सभी बच्चों को एक जगह बुलाकर बातचीत करें। (आप उनसे कहानी, उसके पात्र, चित्र, घटना के बारे में बातचीत कर सकते हैं। इस बातचीत का उद्देश्य बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करने, उनकी रूचि को बनाए रखने और पढ़ने में आई दिक्कतों को समझना है। जो बच्चे अभी भी पढ़ने में संघर्ष कर रहे हैं, उन्हें भी पढ़ने के मौके दें। उन्हें ऐसे बच्चों के साथ भी बैठा सकते हैं, जो पढ़ने में उनकी मदद करें।)

ध्यान रखने योग्य बातें:

- बच्चों को किताब पढ़ने के लिए स्वतंत्र समय देना चाहिए। इस समय बच्चे कहानी पढ़ नहीं पा रहे होंगे, मगर उन्हें किताब पकड़ने, चित्र देखने इत्यादि के मौके मिलते हैं। इनमें पाठ्यपुस्तक के अलावा कविता-कहानियों की रोचक किताबें हों।
- बच्चे व्यक्तिगत रूप से अलग-अलग बैठकर किताबें पढ़ें।

12.3.5 कहानी पर आधारित दैनिक शिक्षण योजना के उदाहरण

कहानी सुनकर समझना और सरल प्रश्नों के उत्तर देना

मौखिक भाषा — 25–30 मिनट

तैयारी और सामग्री

- पाठ्यपुस्तक पाठ-18 'जंगल में स्कूल'
- कहानी पर खुले और बंद छोर के प्रश्नों की सूची पहले से तैयार रखें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को गतिविधि में शामिल करें।
- कक्षा का माहौल रोचक बनाए रखें।

मौखिक कहानी सुनाना

- कक्षा की शुरुआत स्थानीय कविता या गीत को हाव-भाव के साथ गाकर करें। इसमें सभी बच्चों को हिस्सा लेने के लिए उनका प्रोत्साहन करें। इस खेल गतिविधि के लिए 5 से 7 मिनट का ही समय दें।
- अब बच्चों को गोल घेरे में बैठाएँ और शिक्षक स्वयं भी बच्चों के साथ बैठ जाएँ और पाठ्यपुस्तक का पाठ-18 खोलने के लिए कहें। अब बच्चों से कहानी के नाम से अनुमान लगाने के लिए कहें, जैसे- बच्चों के अनुसार कहानी में कौन-कौन होगा? क्या हुआ होगा? आदि।
- अब शिक्षक पाठ-18 'जंगल में स्कूल' कहानी को बच्चों को आवाज़ में उतार-चढ़ाव और हाव-भाव का उपयोग करते हुए मौखिक रूप से पढ़कर सुनाएँ।

- कहानी पढ़कर सुनाते समय अधिक चर्चा करने से बचें। बीच-बीच में 1-2 अनुमान लगाने वाले प्रश्नों को पूछकर यह सुनिश्चित करें कि बच्चों का पूरा ध्यान कहानी सुनने पर है या नहीं। जैसे- क्या लगता है आगे क्या होगा? बब्बन क्यों भागा? शेर अब बब्बन का क्या करेगा? आदि।
- कहानी सुनाने के दौरान यदि कोई कठिन या अनजान शब्द आता है तो बच्चों को उनका अर्थ संदर्भ के साथ समझाएँ, जैसे- मज़ा, झूठ आदि। कहानी सुनाते समय या चर्चा के लिए हिंदी का ही प्रयोग करें।
- कहानी सुनाने के बाद बच्चों से कहानी से संबंधित बंद छोर (तथ्यात्मक) और खुले छोर (उच्च स्तरीय चिंतन) दोनों तरह के प्रश्न पूछें। जैसे- कहानी में कौन-कौन था? पेड़ से क्या लटक रही थी? गब्बर शेर क्यों चिल्लाया? इस कहानी को आगे कैसे बढ़ाया जा सकता है? आदि।
- पाठ पर चर्चा के बाद शब्दार्थ के लिए दिए गए शब्दों के अर्थ पर बच्चों से अनुमान लगवाएँ और उस पर चर्चा करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने इस गतिविधि में प्रतिभाग किया?
- यदि नहीं, तो उन बच्चों को पहचान कर अगले खण्ड में उन्हें थोड़े और मौके दें और उन्हें प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित करें।

12.3.6 दैनिक शिक्षण योजना 'प्रवाहपूर्ण पठन' के उदाहरण

प्रवाहपूर्ण पठन

पठन — 25-30 मिनट

तैयारी और सामग्री

- अभ्यास पुस्तिका।
- मोबाइल फोन या घड़ी, जिसमें एक मिनट का टाइमर लगाया जा सके।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- सभी बच्चों को पठन में शामिल करें।
- यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चे वह पाठ पढ़ रहे हों।
- बच्चों को यह महसूस न कराएँ कि उनका आकलन किया जा रहा है।
- गलत पढ़े गए शब्दों या नहीं पढ़े गए शब्दों के नीचे '–' निशान लगाएँ, उन पर क्रॉस का निशान न बनाएँ।

प्रवाहपूर्ण पठन - पठन अभ्यास 5 पर कार्य

- सभी बच्चों को अभ्यास पुस्तिका के खंड 2 के पठन अभ्यास 5 को खोलने के लिए कहें।
- अब सभी को वह पाठ खुद से पढ़ने को कहें।
- इसी बीच कक्षा से 3- 4 बच्चों को एक-एक कर के अपने पास बुलाएँ और उन्हें पाठ पढ़ने के लिए कहें।
- जब बच्चा पढ़ना शुरू कर दे तो मोबाइल का टाइमर शुरू करें।
- एक मिनट होने पर टाइमर रोक दें और जहाँ तक बच्चे ने पढ़ा है, वहाँ पर बच्चे की अभ्यास पुस्तिका में कोष्टक ']' लगा दें।
- बच्चे ने जितने सही शब्द पढ़े हैं, उन्हें गिनकर सही पढ़े गए शब्दों के खाने में लिख दें।
- बच्चे के स्तर के अनुसार दी गई टेबल में स्तर दर्ज करें।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या सभी बच्चों ने पढ़ने में भाग लिया?
- क्या सभी बच्चे सहजता के साथ पढ़ पा रहे थे?

12.3.7 दैनिक शिक्षण योजना 'साप्ताहिक आकलन' के उदाहरण

बच्चों के सीखने के स्तर का पता लगाना और पुनरावृत्ति करना

40–45 मिनट

तैयारी और सामग्री

- बोर्ड, चॉक और अभ्यास पुस्तिका।
- आकलन के प्रश्न पढ़ लें और इसे करने की योजना पहले से बना लें।

शिक्षक के लिए मुख्य बातें

- बच्चों पर आकलन का दबाव न आने दें।
- बच्चों द्वारा किए गए कार्य में कमियाँ न बताकर उनको सुधार के लिए प्रेरित करें।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चों के पास लेखन की सामग्री हो।

आकलन और रेमेडियल कार्य

- आप सभी बच्चों से अभ्यास पुस्तिका से उस सप्ताह के पाठ पढ़ने को कहें। इस बीच आप एक-एक बच्चे को अपने पास बुलाकर इस सप्ताह के 'मैंने सीख लिया' आकलन-पत्रक में दिए गए कार्य करने के निर्देश दें।
- इस कार्य को करने में आप बच्चों की सहायता न करें, बल्कि उनका प्रोत्साहन करें।
- बच्चों द्वारा सही पढ़े गए शब्दों को गिनकर एक छोटा-सा निशान लगा दें और प्राप्त किए गए अंक लिख दें।
- यदि कोई बच्चा एक भी शब्द सही तरीके से नहीं पढ़ पा रहा हो तो उसके आकलन-पत्रक में (0) अंक देने के स्थान पर (–) का चिन्ह लगा दें। आप शिक्षक संदर्शिका के पृष्ठ 65-66 पर बच्चों के स्तर नोट करते जाएँ।
- पाठ पढ़ने के बाद बच्चों से प्रश्न पूछें और सही बताए गए प्रश्नों के आगे अंक नोट करें।
- प्रत्येक बच्चे के साथ आकलन-पत्रक पर कार्य करने के पश्चात् आप उन्हें अपने स्थान पर जाकर बैठने के लिए कहें और 'सुनकर लिखो' वाली गतिविधि करने को कहें। 'सुनकर लिखो' वाली गतिविधि, आप सभी बच्चों के द्वारा आकलन-पत्रक पर कार्य पूरा कर लेने के बाद एक साथ करवाएँ।
- आकलन के परिणाम के अनुसार, समूह बनाकर पुनरावृत्ति का कार्य करें। समूह 1 और 2 को उनके स्तर के अनुसार पुनरावृत्ति कार्य करवाएँ।

शिक्षण प्रक्रिया की समीक्षा

- क्या पुनरावृत्ति के दौरान लक्षित दक्षताओं को बच्चे प्राप्त कर पाए?
- उन बच्चों को अतिरिक्त अभ्यास दें, जो इसे प्राप्त नहीं कर पाए।

नोटः चूँकि समूह-1 के बच्चों के साथ छठे दिन इस खण्ड में पुनरावृत्ति का कार्य ही चल रहा होगा, इसलिए पठन की गतिविधि समूह-2 के बच्चों के साथ ही की जाएगी।

13. आकलन एवं पुनरावृत्ति

आकलन अपने आप में कोई अलग प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह शिक्षण कार्य का ही अभिन्न अंग है। सीखने को सुनिश्चित करने के लिए दक्षता के अनुसार सतत आकलन करना शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाता है। आकलन शिक्षण के उद्देश्य पर आधारित प्रक्रिया बनाता है जिसे नियमित और योजनाबद्ध रूप से किया जाना आवश्यक है।

2024-25 की आकलन प्रक्रिया

कक्षा प्रक्रिया को सशक्त करने के उद्देश्य से बच्चों के साथ तीन तरह के आकलन किए जाएँगे।

अनौपचारिक आकलन	साप्ताहिक आकलन	सावधिक आकलन
दैनिक गतिविधि के दौरान या बाद में	सप्ताह के अंत में	वर्ष में 2 बार

13.1 दैनिक गतिविधियों के दौरान अनौपचारिक आकलन/समीक्षा

कक्षा में गतिविधियों के दौरान यह जानना आवश्यक है कि बच्चे गतिविधि के अधिगम उद्देश्य को प्राप्त कर पाए या नहीं। इसके लिए गतिविधि के बीच में या अंत में विषयवस्तु और कौशल के हिसाब से अलग-अलग तरीकों से आकलन/अवलोकन किए जाते हैं। इसे अनौपचारिक आकलन भी कहा जाता है।

मौखिक कार्य के दौरान

- कक्षा में मौखिक कहानी या किताब/बिग बुक से कहानी सुनाने के दौरान बच्चों से सरल और सीधे प्रश्न पूछें, ताकि आप पता लगा पाएँ कि बच्चे कहानी को समझ रहे हैं या नहीं।
- बातचीत, चर्चा या खेल गतिविधि के दौरान हर 5-7 मिनट में एक बार यह ज़रूर देखें कि क्या सभी बच्चों ने बात की है या प्रतिभाग किया है? अगर नहीं तो सभी बच्चों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पठन के दौरान

- किसी नए दिन की शुरुआत में पिछले दिन सिखाए गए विषयवस्तु के बारे में 5 बच्चों से प्रश्न पूछें। शब्द पहचान के लिए बोर्ड का सहारा ले सकते हैं। अगर ज़्यादातर बच्चे नहीं बता पाते हैं तो पहले 3-5 मिनट तक पिछली विषयवस्तु को बच्चों के साथ दोहराएँ।
- सुनकर लिखो कार्य के दौरान बच्चों को जोड़े में एक-दूसरे का लेखन देखने को कहें। जब बच्चे एक-दूसरे का लेखन देख लें, तब शिक्षक बोर्ड पर वाक्य लिखें। फिर सभी बच्चों को उसे देखकर अपना कार्य जाँच करने को कहें।

13.2 साप्ताहिक योजना में आकलन

दिवस 1 → दिवस 2 → दिवस 3 → दिवस 4 → दिवस 5 → दिवस 6

- दिवस 1–4 → नई दक्षताओं/शिक्षण उद्देश्यों पर कार्य (अनौपचारिक आकलन कक्षा की गतिविधियों के दौरान)
  सप्ताह में दो पाठ पर कार्य
- दिवस 5 → साप्ताहिक पुनरावृत्ति
- दिवस 6 → साप्ताहिक आकलन एवं रेमेडियल कार्य
  - समूह 1: रेमेडियल कार्य
  - समूह 2: स्व-अभ्यास

दिवस 1-4 : नई दक्षताओं/शिक्षण उद्देश्यों पर कार्य

सप्ताह के पहले चार दिनों में हम बच्चों के साथ नई दक्षताओं/शिक्षण उद्देश्यों पर कार्य करेंगे, जिसमें डिकोडिंग कौशल के अंतर्गत नए वर्ण/मात्रा पहचान और शब्द पठन का कार्य होगा। दैनिक योजना के अनुसार इन पर कार्य किया जाएगा।

दिवस 5 : साप्ताहिक पुनरावृत्ति

- साप्ताहिक पुनरावृत्ति का कार्य प्रत्येक सप्ताह के 5वें दिन रखा गया है।
- सीखी गई विषयवस्तु का दोहरान किया जाएगा। इससे बच्चों के सीखने के बेहतर परिणाम देखे जा सकते हैं। पुनरावृत्ति में शब्द स्तर की गतिविधि के साथ-साथ वाक्य पठन और पढ़कर समझने की गतिविधियों को भी सम्मिलित किया गया है।

दिवस 6 : साप्ताहिक आकलन/रेमेडियल कार्य

- डिकोडिंग से संबंधित दक्षताओं के साप्ताहिक आकलन का मुख्य उद्देश्य बच्चों द्वारा सीखी गई दक्षताओं को जानना और उन बच्चों को पहचानना है, जो उन दक्षताओं को हासिल नहीं कर पाए हैं।
- साथ-साथ उन बिन्दुओं को चिह्नित करना है, जहाँ कक्षा के अधिकतर बच्चों को कठिनाई हो रही है और फिर से इन दक्षताओं का शिक्षण करना है।

1-10 सप्ताह

आकलन के आधार पर शिक्षकों को बच्चों के सीखने के कई स्तर मिलेंगे, शिक्षक बच्चों को सीखी गई दक्षताओं के विश्लेषण के आधार पर दो समूहों में बाँटे:

दो समूहों में कार्य

समूह-1
50% या उससे कम
(जैसे- 10 में से 5 या उससे कम, 20 में से 10 या उससे कम)

वर्ण स्तर का कार्य
- वर्णों/अक्षरों की दोबारा पहचान करवाएँ।
- वर्णों/अक्षरों को शब्दों में ढूँढकर गोला लगवाएँ।
- ग्रिड से वर्ण/अक्षर की पहचान करवाएँ।
- कॉपी में वर्ण/अक्षर को लिखना और गृहकार्य देना।

शब्द स्तर का कार्य
- ग्रिड से खोजकर शब्द पढ़ने का अभ्यास।
- वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द पढ़ने का अभ्यास। (शिक्षक करके दिखाएँ, फिर बच्चे करें।)
- वर्ण/अक्षर जोड़कर शब्द लिखना और पढ़ना।

वाक्य स्तर का कार्य
- शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।
- छोटे-छोटे वाक्य जोड़ों में पढ़वाएँ।

(नोट: इन बच्चों के साथ भी शब्द स्तर पर कार्य करें।)

समूह-2
50% या उससे अधिक
(जैसे- 10 में से 6 या उससे अधिक, 20 में से 11 या उससे अधिक)

शिक्षक इसके लिए कुछ समय देकर निर्देश दें, ताकि ये बच्चे खुद इन गतिविधियों को कर पाएँ:
- डिकोडिंग खेल
- कहानी की किताबें/ अभ्यास पुस्तिका पढ़ना।
- देखकर शब्द/ वर्ण/ अक्षर लिखना।

दिवस 6 : पढ़कर समझना पर आधारित आकलन और पुनरावृत्ति

आकलन के बाद बच्चों की पढ़कर समझने की स्थिति के अनुसार शिक्षक बच्चों के साथ पुनरावृत्ति कार्य करें। यहाँ चार मुख्य स्थितियों को ध्यान में रखकर रणनीतियाँ दी गई हैं। इनसे अलग स्थिति में भी इन्हीं दो समूह के आधार पर कार्य करें:

11-26 सप्ताह

साप्ताहिक पुनरावृति में दो तरह के कौशलों का आकलन किया जाना है- पढ़कर समझना और सुनकर लिखो। पढ़कर समझने के आकलन के लिए अभ्यास पुस्तिका में सप्ताह के अंत में एक पाठ दिया गया है। इस पाठ से पढ़कर समझने के आकलन की दो प्रक्रियाएँ होंगी :-

बच्चों से पाठ बोलकर पढ़वाना

- यह आकलन प्रत्येक बच्चे के साथ अलग-अलग किया जाना है। बच्चे को अपने पास बुलाकर पाठ बोलकर पढ़ने को कहें।
- पढ़ने के दौरान बच्चे जिन शब्दों को पढ़ने में गलती करते हैं, उन्हें नोट करते जाएँ। फिर अंत में अभ्यास पुस्तिका की उनकी प्रति में सही पढ़े गए शब्दों को नोट कर लें।
- पढ़ने के लिए अधिकतम 2 मिनट का समय दें। अगर बच्चे ने पहले वाक्य के सभी शब्द गलत पढ़े हैं तो उसे पढ़ने से रोक दें और समूह-1 के अनुसार कार्य करवाएँ।

पढ़ने के बाद पाठ के नीचे दिए गए प्रश्न पूछना

- बच्चों से एक-एक कर पाठ के नीचे दिए गए प्रश्न पूछें। प्रश्न के सही उत्तर के लिए एक अंक दें। तीसरे प्रश्न का उत्तर अलग-अलग हो सकता है।
- अगर कोई बच्चा 25% से कम शब्द पढ़ पाता है तो उससे प्रश्न ना करें।

स्थिति	बच्चों की पठन उपलब्धि	निर्धारित समूह	छठे दिन शिक्षण कार्य की रणनीति	आगे की योजना
स्थिति-1	बच्चे ने 50% से अधिक शब्द सही पढ़े और कम से कम 2 प्रश्नों के सही उत्तर दिए।	समूह-2	इन प्रश्नों के उत्तर नीचे लिखने को कहें। बच्चों को अन्य पठन सामग्री पढ़ने को दें।	इन बच्चों को कहानी की किताबें देकर कुछ बड़े पाठ पढ़ने का अभ्यास करवाएँ।
स्थिति-2	बच्चे ने 50% से अधिक शब्द सही पढ़े और 1 या 0 प्रश्नों के सही उत्तर दिए।	समूह-2	इन बच्चों की जोड़ियाँ बनाएँ, उन्हें अन्य पाठ पढ़ने को दें और एक-दूसरे को पढ़कर प्रश्न पूछने और जवाब देने को कहें।	मौखिक भाषा विकास और पढ़कर समझने के दौरान इन बच्चों से प्रश्नों की प्रकृति को समझने का अभ्यास करवाएँ और सहभागिता पर ज़ोर दें।
स्थिति-3	यदि बच्चे ने 50% से कम शब्द सही पढ़े और 1 या 0 प्रश्नों के सही उत्तर दिए। (अगर कोई बच्चा 25% से कम शब्द पढ़ पाता है तो उससे प्रश्न ना करें।)	समूह-1	बच्चों के साथ शब्द पठन पर कार्य करें। इसके लिए पुनरावृत्ति योजना काम में लें।	बच्चों को अधिक से अधिक शब्द पठन के मौके दें और रोज़ समूह-2 के बच्चों के साथ शब्द और वाक्य पठन का अभ्यास करवाएँ।
स्थिति-4	यदि बच्चा पहले वाक्य से एक भी शब्द नहीं पढ़ पाया तो आप उन्हें कहानी पढ़कर सुना दें और प्रश्न पूछें। उत्तर के लिए कोई अंक नोट न करें। (यहाँ कहानी सुनाने का उद्देश्य सिर्फ उन्हें इस प्रक्रिया में शामिल करना है।)	समूह-1	इनके साथ वर्ण और शब्द पठन पर कार्य की ज़रूरत है। इसके लिए पुनरावृत्ति योजना काम में लें।	यहाँ यह समझना ज़रूरी है कि जो बच्चे स्थिति-4 में हैं, उनके साथ सिर्फ छठे दिन पुनरावृत्ति कार्य करने से बहुत बदलाव नहीं होगा। इन बच्चों के साथ दैनिक स्तर पर वर्ण/अक्षर और शब्द पठन पर कार्य करें।

13.3 सावधिक आकलन प्रक्रिया

13 व 20 सप्ताह

26 सप्ताह की शिक्षण योजना में दो बार सावधिक आकलन किया जाएगा। पहला आकलन 13वें सप्ताह में और दूसरा आकलन 20वें सप्ताह में किया जाना है। इसे आंतरिक आकलन प्रक्रिया के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसका उद्देश्य भी बच्चों को कक्षा स्तर की दक्षताओं को हासिल करने में मदद करना है।

सावधिक आकलन सप्ताह के पहले दो दिवस में किया जाएगा। शेष दिनों में सावधिक पुनरावृत्ति पर कार्य किया जाएगा। यदि पुनरावृत्ति की आवश्यकता है तो आवश्यकतानुसार 4–5 दिन और बढ़ाकर पुनरावृत्ति कार्य कराएँ। अंतिम दिन साप्ताहिक आकलन 'मैंने सीख लिया' किया जाएगा।

सावधिक आकलन ⟶ सावधिक पुनरावृत्ति - - - - - - - - ➝

3 4 5

सावधिक आकलन एवं समूह निर्धारण

बच्चों द्वारा प्राप्त अंकों को सावधिक आकलन के लिए बने ट्रैकर पर दर्ज करना होगा और समूह निर्धारण करना होगा।

- **समूह 1 :** आकलन में जिन बच्चों के 50% से कम अंक आए हैं।
- **समूह 2 :** आकलन में जिन बच्चों के 50% से अधिक अंक आए हैं।

समूह निर्धारण : रेमेडियल एवं पुनरावृत्ति/अभ्यास कार्य

13-20 सावधिक पुनरावृत्ति के पाठों को दोनों समूहों (समूह 1 एवं 2) के बच्चों के लिए आवश्यकतानुसार उपयोग में लाएँ।

सप्ताह 1–10 में साप्ताहिक आकलन

सप्ताह 1–10 दिवस 6

सप्ताह 1 से 10 में डिकोडिंग संबंधित आकलन किया जाएगा। साप्ताहिक आकलन 'मैंने सीख लिया' के आधार पर जो बच्चे स्तर–1 (समूह–1 के बच्चे) पर हैं, उनके लिए 1 और जो स्तर–2 (समूह–2 के बच्चे) पर हैं, उनके लिए 2 लिखें।

डिकोडिंग

- अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठ 'मैंने सीख लिया' से पढ़ पाना।

मौखिक रूप से अभिव्यक्ति

- चर्चा के दौरान प्रश्नों के जवाब देना या प्रश्न पूछना।
- अपने अनुभव या किसी घटना के बारे में बोल पाना/अपने विचार रख पाना।

सप्ताह 11–26 में साप्ताहिक आकलन

सप्ताह 11–26 दिवस 6

सप्ताह 11 से 26 तक पाठ पढ़कर समझने से संबंधित आकलन किया जाएगा। साप्ताहिक आकलन 'मैंने सीख लिया' के आधार पर जो बच्चे स्तर–1 (समूह–1 के बच्चे) पर हैं, उनके लिए 1 और जो स्तर–2 (समूह–2 के बच्चे) पर हैं, उनके लिए 2 लिखें। सप्ताह 15 से पढ़कर समझने के साथ–साथ और मौखिक रूप से पाठ से संबंधित प्रश्नों का उत्तर दे पाने का अवलोकन नियमित रूप से करें और जिन बच्चों को अधिक मदद की आवश्यकता है, उनके नाम के आगे '–' चिह्न का निशान लगाएँ।

पढ़कर समझना

- अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठ 'मैंने सीख लिया' से पढ़ पाना।
- पाठ से संबंधित प्रश्नों के जवाब दे पाना।

मौखिक रूप से अभिव्यक्ति

- अपने अनुभव या किसी घटना के बारे में बोल पाना/अपने विचार रख पाना।

14.1 डिकोडिंग एवं पढ़कर मौखिक रूप से उत्तर देना का आकलन ट्रैकर (सप्ताह 1 से 10)

डिकोडिंग   मौखिक रूप से अभिव्यक्ति

क्र.	बच्चों के नाम	1		2		3		4		5		6		7		8		9		10	
1																					
2																					
3																					
4																					
5																					
6																					
7																					
8																					
9																					
10																					
11																					
12																					
13																					
14																					
15																					

डिकोडिंग   मौखिक रूप से अभिव्यक्ति

क्र.	बच्चों के नाम	1		2		3		4		5		6		7		8		9		10	
16																					
17																					
18																					
19																					
20																					
21																					
22																					
23																					
24																					
25																					
26																					
27																					
28																					
29																					
30																					

14.2 पढ़कर समझना एवं पढ़कर मौखिक रूप से उत्तर देना का ट्रैकर (सप्ताह 11 से 18)

पढ़कर समझना – अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठ 'मैंने सीख लिया' से पढ़ पाना।

पढ़कर मौखिक रूप से उत्तर देना – पाठ से संबंधित प्रश्नों के जवाब दे पाना।

क्र.	बच्चों के नाम	11		12		13		14		15		16		17		18	
1																	
2																	
3																	
4																	
5																	
6																	
7																	
8																	
9																	
10																	
11																	
12																	
13																	
14																	
15																	

पढ़कर समझना – अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठ 'मैंने सीख लिया' से पढ़ पाना।

पढ़कर मौखिक रूप से उत्तर देना – पाठ से संबंधित प्रश्नों के जवाब दे पाना।

क्र.	बच्चों के नाम	11		12		13		14		15		16		17		18	
16																	
17																	
18																	
19																	
20																	
21																	
22																	
23																	
24																	
25																	
26																	
27																	
28																	
29																	
30																	

14.3 पढ़कर समझना एवं पढ़कर मौखिक रूप से उत्तर देना का ट्रैकर (सप्ताह 19 से 26)

पढ़कर समझना – अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठ 'मैंने सीख लिया' से पढ़ पाना।

पढ़कर मौखिक रूप से उत्तर देना – पाठ से संबंधित प्रश्नों के जवाब दे पाना।

क्र.	बच्चों के नाम	19		20		21		22		23		24		25		26	
1																	
2																	
3																	
4																	
5																	
6																	
7																	
8																	
9																	
10																	
11																	
12																	
13																	
14																	
15																	

पढ़कर समझना – अभ्यास पुस्तिका में दिए गए पाठ 'मैंने सीख लिया' से पढ़ पाना।

पढ़कर मौखिक रूप से उत्तर देना – पाठ से संबंधित प्रश्नों के जवाब दे पाना।

क्र.	बच्चों के नाम	19		20		21		22		23		24		25		26	
16																	
17																	
18																	
19																	
20																	
21																	
22																	
23																	
24																	
25																	
26																	
27																	
28																	
29																	
30																	

15. बच्चों के प्रवाहपूर्ण पठन के आकलन के परिणाम

क्र.	नाम	परिणाम	सप्ताह								
			17	18	19	21	22	23	24	25	26
1.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
2.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
3.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
4.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
5.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
6.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
7.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
8.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
9.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
10.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
11.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
12.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
13.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
14.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
15.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
16.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
17.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									

क्र.	नाम	परिणाम	सप्ताह								
			17	18	19	21	22	23	24	25	26
18.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
19.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
20.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
21.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
22.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
23.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
24.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
25.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
26.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
27.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
28.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
29.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									
30.		सही शब्दों की सं.									
		स्तर									

16. प्रिंट रिच वातावरण

पढ़ने–लिखने के शुरुआती चरणों में बच्चों को जितनी अलग–अलग तरह की शिक्षण अधिगम सामग्री और प्रिंट की चीज़ें मिलती हैं, उनका सीखना उतना ही रोचक हो जाता है। समृद्ध कक्षा–कक्ष बच्चों के पढ़ने–लिखने, कक्षा और अपने सहपाठियों से जुड़कर कार्य करने एवं झिझक दूर करने में काफी मददगार होता है। यह वातावरण उन बच्चों के सीखने में और ज़्यादा मदद करता है, जिनके घरों में प्रिंट सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है।

प्रिंट रिच वातावरण के मुख्य 6 घटक हैं।

1. किताबों का कोना

बच्चों के स्तर की किताबों को कक्षा के किसी कोने में सजाकर इस तरह रखें कि बच्चे उसे लेकर देख सकें। दीवार में रस्सी टाँगकर भी कुछ किताबों को रखा जा सकता है।

2. चित्र चार्ट

इनको कक्षा में इस तरह दीवारों और खिड़कियों के सहारे रखें कि ये सबको दिख जाएँ। इन्हें दीवारों पर न चिपकाएँ क्योंकि चित्र पर चर्चा के लिए इन्हें बच्चों के बीच में रखकर कार्य करना पड़ता है।

3. कविता/कहानी पोस्टर

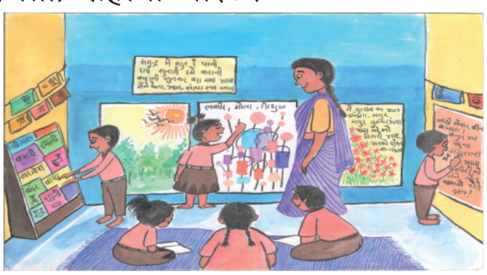

इन्हें दीवारों पर लगाएँ। ज़मीन से इनकी ऊँचाई ऐसी हो कि बच्चे आसानी से इन्हें देख सकें और इनके साथ कार्य कर सकें।

4. लेबलिंग

कक्षा में मौजूद वस्तुओं के नाम कागज़ पर लिखकर उन्हें प्रत्येक वस्तु के पास चिपकाया जा सकता है। जैसे– दरवाज़ा, खिड़की, अलमारी आदि।

5. बच्चों का कोना

बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को दीवार पर प्रदर्शित करने के लिए एक निश्चित जगह चुनें। उस पर उनके नाम सहित उनके द्वारा बनाए गए चित्रों को चिपकाएँ या टाँग दें।

6. शब्द दीवार

दीवारों पर कई तरह के शब्द चार्ट लगाए जा सकते हैं, जैसे– बच्चों के नाम, जन्मदिन चार्ट, स्थानीय शब्द, कहानी/कविता के शब्द आदि।

नोट– कक्षा में प्रदर्शित सामग्री को समय–समय पर शिक्षण योजना के अनुरूप बदलते रहना चाहिए। इससे कक्षा में नवीनता बनी रहती है और बच्चे इस सामग्री के उपयोग से स्व–अभ्यास, नया सीखने के लिए आतुर रहते हैं।

17. कक्षा प्रबंधन

कक्षा प्रबंधन एक विशेष प्रकार की रणनीति एवं तकनीक है, जो सभी बच्चों को सक्रिय रूप से कक्षा में हो रही गतिविधियों से जोड़कर रखती है। प्रभावी कक्षा प्रबंधन वह है, जो सीखने में मदद करे, जैसे- शिक्षक का व्यवहार एवं कक्षा का वातावरण, वास्तविक अपेक्षाएँ, अधिगम शिक्षण सामग्री का उपयोग, गतिविधियों एवं शिक्षण कार्य में विविधता, समय प्रबंधन/नियोजन आदि।

प्रभावी कक्षा प्रबंधन के मुख्य बिंदु-

1. बैठक व्यवस्था

- बैठक की व्यवस्था, कक्षा-कक्ष में हो रही गतिविधियों के अनुसार हो, जैसे- गोल घेरे में बैठना, छोटे-छोटे समूहों में बैठना।
- शिक्षण के समय बच्चों और बोर्ड के बीच में दूरी कम हो।

2. बच्चों के साथ जुड़ाव

- कक्षा में शिक्षण के दौरान, आप जब भी बच्चों के साथ बातचीत करें तो उनकी भावनाओं के प्रति सचेत और संवेदनशील रहें।
- ऐसी बातचीत में सभी बच्चों को मौका दें।
- जो बच्चे डर या झिझक महसूस करें, उन्हें कक्षा में जोड़ने के लिए अधिक मौके दें।

3. सहज वातावरण

- कक्षा के सभी बच्चों को अपनी बात रखने के भरपूर मौके दें।
- कक्षा-व्यवस्था संबंधी नियमों को बच्चों के साथ मिलकर तय करें।
- शिक्षण कार्य के दौरान, बच्चों के साथ बराबरी का व्यवहार करें।

4. समय प्रबंधन/नियोजन

- बेहतर शिक्षण के लिए यह समझना आवश्यक है कि बच्चों को 'इंतज़ार का समय' (wait time) और 'काम का समय' (time on task) कितना मिला।
- इंतज़ार का समय वह समय होता है, जिसमें बच्चों को सोचने का समय दिया जाता है और काम के समय में बच्चे किसी गतिविधि आदि पर समय लगाते हैं।
- जिन शिक्षण सामग्रियों को काम में लेना है, उन्हें पहले से ही इकट्ठा कर लें।
- शिक्षण योजनाओं को कक्षा में क्रियान्वयन करने से एक दिन पहले अवश्य पढ़ें एवं आवश्यक तैयारी कर लें।
- बहुकक्षीय शिक्षण की अवस्था में शिक्षक को अपने समय-संतुलन पर भी खास ध्यान देना चाहिए।

शाला संग्रहालय

शिक्षा व्यवस्था में एक स्कूल समाज का एक हिस्सा है और वह अपने को अपने आस-पास के परिवेश से अलग नहीं कर सकता है। प्राथमिक शिक्षा का प्रमुख लक्ष्य छोटी उम्र से ही उचित मार्गदर्शन से विद्यार्थियों को उनकी पसंद और क्षमताओं के अनुसार उच्च शिक्षा और आगे के जीवन के लिए तैयार करना है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यह ज़रुरी है कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध कराई जाए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा - 2005 और अन्य नीति दस्तावेज़ स्कूल के ज्ञान को स्कूल के बाहर के ज्ञान से जोड़ने की बात कहते हैं। शाला संग्रहालय में सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक सामग्रियों का संग्रह किया जाता है जिसकी मदद से बच्चों को अलग-अलग स्तर की अवधारणों से मूर्त रूप में परिचित कराया जा सकता है। शाला संग्रहालय की स्थापना के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं :

- विलुप्त होती विरासत को सुरक्षित रखना।
- समुदाय के पारंपरिक ज्ञान को बचाए रखना।
- प्राचीन भाषाओं और साहित्य को जानना।
- बच्चों में खोजी प्रवृत्ति का विकास करना।
- पारंपरिक ज्ञान को स्कूली ज्ञान से जोड़ना।

शाला संग्रहालय की सीापना-

सरल अर्थों में कुछ सांस्कृतिक वस्तुओं को एक टेबल पर प्रदर्शित कर शाला में संग्रहालय बनाया जा सकता है, इसके विपरीत इसे शाला में नियत स्थान पर एक स्थायी रूप भी दिया जा सकता है। यहाँ यह समझना महत्त्वपूर्ण है कि इन वस्तुओं और संग्रहालय के उपयोग से कक्षा के अंदर और बाहर विद्यार्थियों के सीखने के अनुभवों को किस प्रकार जीवंत और समृद्ध बनाया जा सकता है।

शाला संग्रहालय के लाभ

- शिक्षा के ऐसे वातावरण का निर्माण जहाँ बच्चे वस्तुओं को मूर्त रूप में देख सकते हैं।
- बच्चों में अवलोकन, अभिव्यक्ति, खोजी प्रवृत्ति और तुलनात्मक अध्ययन जैसे कौशलों का विकास होना।
- भाषा, पर्यावरण और विज्ञान संबंधी अवधारणाओं की समझ में सहायक
- पारंपरिक और नवीन ज्ञान एवं इतिहास से परिचय
- अभिभावकों और स्थानीय समुदाय को स्कूल से जोड़ना

संग्रहालय के लिए संग्रह की जाने वाली वस्तुओं के प्रकार-

शाला संग्रहालय के लिए स्थानीय स्तर पर समुदाय से निम्न वस्तुओं को प्राप्त किया जा सकता है। इनमें से कुछ वस्तुएँ वास्तविक रूप में न होकर मॉडल के रूप में संग्रहालय में रखी जा सकती हैं। एकत्र की जाने वाली वस्तुओं की कुछ उदाहरणों सूची इस प्रकार है:

- कृषि उपकरण / मॉडल
- पारंपरिक गहने
- पारंपरिक खेल
- पारंपरिक घरेलू उपकरण
- यातायात के साधनों के मॉडल
- विलोपित मुद्राएँ
- विलुप्त होती बीजों की प्रजातियाँ
- पारंपरिक वस्त्र
- तीज-त्यौहारों में उपयोगी वस्तुएँ
- गाँव का इतिहास
- पुरानी पुस्तकें
- प्राचीन वाद्य यंत्र आदि

प्रारंभिक चरण में बस्तर में बहुभाषी शिक्षा आधारित 200 शालाओं के अंतर्गत 10 शालाओं में शाला संग्रहालय की स्थापना की जा रही है। इस तरह से शाला-संग्रहालय की स्थापना की पहल राज्य के सभी स्कूलों द्वारा किया जाना चाहिए।

FRUITS CHART

पाषाण कालीन औजार